कोटद्वार, गुरूवार
30 नवम्बर 2023
वर्ष: 45
अंक: 211 पृष्ठ: 8
मूल्य: 2.00
RNI-35469/79

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
ज
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

IHMS KOTDWAR

Institute of Hospitality, Management & Sciences

17 Years of Excellence in Education ESTD. 2006

"Journey Towards Excellence"

Affiliated To :-Veer Madho Singh Bhandari Uttarakhand Technical University, Sri Dev Suman Uttarakhand University, Hemvati Nandan Bahuguna Garhwal University (A Central University) Approved By: All India Council of Technical Education (AICTE), Government of Uttarakhand and Ministry of Education

ADMISSIONS OPEN 2024-25

LIMITED SEATS

CHM (CERTIFICATE IN HOTEL MANAGEMENT)

Admissions Start For WINTER BATCH (January 2024)

100% PLACEMENT ASSISTANCE

100% Assurance for Training in 4 to 5 Star Hotel.

Industrial Tour in Four to Five Star Hotel

JOB OPPORTUNITIES

RAMADA | THE FERN | CROWNE PLAZA | JAYPEE HOTELS & RESORTS | COUNTRY INN & SUITES | COURTYARD Marriott AHMEDABAD | SAYAJI | WELCOMHOTEL | PRIDE HOTELS & RESORTS | HYATT REGENCY

PROGRAMMES AVAILABLE

M.B.A.	M.C.A	B.H.M.	B.B.A.	B.C.A.	B.Sc. IT	C.H.M.
2 Years	2 Years	4 Years	3 Years	3 Years	3 Years	1 Year

Mob.: 7902000023, 8057726863

Balbhadrapur, B.E.L. Road, Kotdwar-246149(UK)

Email:Info@ihms.ac.in, ihmskotdwar1@gmail.com | Web: www.ihms.ac.in

दुधारखाल-वड्डा सड़क मरम्मत की उठाई मांग

कोटद्वार : जयहरीखाल ब्लॉक के पट्टी मल्ला बदलपुर क्षेत्र के अंतर्गत पीएमजीएसवाई की दुधारखाल-वड्डा सड़क बदहाल है। स्थिति यह है कि डामर उखड़ने से सड़क पर कई जगहों पर गड्ढे हो गए हैं। साथ ही सड़क पर जगह-जगह मलबे के ढेर लगे हैं जिससे ग्रामीण जान जोखिम में डालकर आवाजाही करने के लिए मजबूर हैं। ग्रामीणों ने अधिशासी अभियंता को ज्ञापन भेजकर सड़क की मरम्मत की मांग की। ग्रामीण उम्मेद सिंह, कमल सिंह, सर्वेंद्र सिंह, कृतराम, गिरीश चंद्र और खेमानंद आदि ने बताया कि दुधारखाल-वड्डा सड़क देखरेख और मरम्मत के अभाव में खस्ताहाल है। यह मार्ग चौड़, जुगेणा, जयपुर, बुलेखा, कलीगाड, खनेता, ग्वीलाणी, वड्डा, मलारा समेत अन्य गांवों के जोड़ता है। इसके अलावा सतपुली क्षेत्र से सैकड़ों पर्यटक इसी मार्ग से होकर ताड़केश्वर मंदिर पहुंचते हैं। वहीं पीएमजीएसवाई खंड सतपुली के ईई प्रभुदयाल सिंह लिंगवाल का कहना है कि यह सड़क हाल में ही पीएमजीएसवाई खंड के पास आई है। करीब साढ़े छह किमी इस सड़क को मरम्मत के लिए टेंडर आमंत्रित किए जा रहे हैं। सड़क पर निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

पुल बनाकर चलता बना विभाग, एप्रोच तोड़ रही कमर

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार से कण्वाश्रम को जोड़ने के लिए ग्वालगढ़ गदेरे में पुल का निर्माण करवाने के बाद सरकारी सिस्टम पुल की एप्रोच का डामरीकरण करना ही भूल गया है। नतीजा एप्रोच में पड़े पत्थर वाहन चालकों को चोटिल कर रहे हैं। शिकायत के बाद भी सरकारी सिस्टम समस्या को लेकर गंभीरता नहीं दिखा रहा।

सरकारी सिस्टम अपनी जिम्मेदारियों को लेकर कितना लापरवाह है, इसका अंदाजा कोटद्वार से कण्वाश्रम को जोड़ने के लिए ग्वालगढ़ गदेरे पर बने पुल की स्थिति को देखकर लगाया जा सकता है। करोड़ों की लागत से बने इस पुल का निर्माण करने के बाद सरकारी सिस्टम पुल की एप्रोच का डामरीकरण करना ही भूल गया। नतीजा, एप्रोच रोड में बिछे खड़ंजे दोपहिया वाहन चालकों को चोटिल कर रहे हैं।

डिग्री कालेज-मवाकोट मोटर मार्ग पर लोक निर्माण विभाग ने 182.66 लाख की लागत से तीस मीटर स्पान डबल लेन आसीसी सेतु का निर्माण किया। सात दिसंबर 2021 में तत्कालीन वन एवं पर्यावरण मंत्री डा. हरक सिंह रावत ने पुल का लोकार्पण किया। लेकिन, लोकार्पण के तीन वर्ष बाद भी लोक निर्माण विभाग पुल की एप्रोच रोड का डामरीकरण नहीं कर पाया। नतीजा, वर्तमान में बदहाल पड़ी पुल की एप्रोच रोड वाहन चालकों के लिए चुनौती बन रही है। वाहनों की आवाजाही से एप्रोच रोड पर पड़े खडंजे दुर्घटनाओं को न्योता दे रहे हैं। पत्थरों की चपेट में आने से दोपहिया वाहन चालक भी अनियंत्रित होकर चोटिल हो रहे हैं।

लगातार बना है खतरा

रात के अंधेरे में एप्रोच रोड पर पड़े पत्थर दिखाई नहीं देते, जिससे आए दिन वाहन चालक चोटिल हो रहे हैं। दो दिन पूर्व भी कोटद्वार से मवाकोट की ओर जा रहा एक मोटर साइकिल सवार चोटिल हो गया था। बताना जरूरी है कि मालन नदी का पुल ढहने के बाद भाबर के अधिकांश लोग इसी मार्ग से आवाजाही कर रहे हैं। वहीं, पुल के आसपास बेहतर स्ट्रीट लाइट की भी व्यवस्था नहीं है।

कोटद्वार से कण्वाश्रम को जोड़ने वाले मार्ग पर बदहाल पड़ी पुल की एप्रोच रोड

◆निर्माण के तीन वर्ष बाद भी ग्वालगढ़ पुल की एप्रोच का नहीं किया डामरीकरण

◆पुल की एप्रोच में पड़े पत्थर वाहन चालकों को कर रहे चोटिल

'पुल के लिए स्वीकृत धनराशि खत्म होने के कारण एप्रोच रोड पर डामर नहीं बिछ पाया। जिला योजना में एप्रोच रोड के डामरीकरण का प्रस्ताव भेजा जाएगा। धनराशि स्वीकृत होने के बाद एप्रोच रोड को डामरीकृत कर दिया जाएगा।

..डीपी सिंह, अधिशासी अभियंता, लोनिवि दुगड्डा खंड'

घरों में आ रहा गंदा पानी, वार्डवासियों ने किया प्रदर्शन

काशीरामपुर तल्ला अनूप विहार में बनी है गंदे पानी की समस्या

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहर में दूषित पेयजल आपूर्ति की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है।

हालत यह है कि काशीरामपुर तल्ला अनूप विहार में पिछले कई दिनों से गंदे पानी की आपूर्ति हो रही है। आक्रोशित वार्डवासियों ने जल संस्थान के कार्यालय में पहुंचकर प्रदर्शन किया। कहा कि यदि जल्द समस्या का निराकरण नहीं हुआ तो वह आंदोलन को मजबूर होंगे।

बुधवार को अनूप विहार निवासी पार्षद सूरज प्रसाद के नेतृत्व में जल संस्थान कार्यालय के बाहर एकत्रित हुए। इस दौरान उन्होंने विभाग की लापरवाही के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कहा कि उनके घरों में एक माह से गंदे पानी की आपूर्ति हो रही है, लेकिन अधिकारियों को अवगत कराने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इससे उनका पूरा दिन शुद्ध पेयजल की व्यवस्था बनाने में ही बीत रहा है और घर के अन्य कार्य नहीं हो पा रहे हैं।

चेतावनी दी कि शीघ्र ही इस संबध में कार्रवाई न होने पर आंदोलन को तेज किया जायेगा। ज्ञापन सौंपने वालों में संगीता देवी, गीता देवी, राजेश्वरी देवी, कांती देवी, ममता, राखी, रामवीर, शैला नेगी और मालती रावत सहित बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी शामिल रहे।

कोटद्वार के जल संस्थान कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन करते वार्डवासी

संगठन की बैठक 11 दिसंबर को

कोटद्वार : उत्तराखंड वन विकास निगम कर्मचारी संगठन गढ़वाल क्षेत्र की नवगठित कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने क्षेत्रीय अध्यक्ष दलबीर सिंह रावत और क्षेत्रीय मंत्री सोहनलाल जखमोला के नेतृत्व में प्रभागीय विक्रय प्रबंधक विजयपाल से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान निगम के कार्य की समीक्षा भी की गई। तय किया गया कि इस संबध में 11 दिसंबर को पनियाली डिपो में बैठक का आयोजन कर समस्त मुद्दों पर चर्चा की जायेगी। प्रभागीय विक्रय प्रबंधक से भेंट करने वालों में प्रभागीय अध्यक्ष मुकेश बड़थ्वाल और मंत्री हरीश नौडियाल सहित अन्य पदाधिकारी शामिल रहे।

विश्व विद्यालय व पैरामेडिकल कॉलेज का किया भ्रमण

कोटद्वार : भाबर क्षेत्र के कलालघाटी स्थित पीएम श्री शहीद लांस नायक धन सिंह राणा राजकीय कन्या इंटर कालेज की कक्षा 11 एवं 9 की 113 छात्राओं ने पीएम श्री योजना के अंतर्गत संस्थानों का शैक्षिक भ्रमण किया और उपयोगी जानकारी प्राप्त की। छात्राओं के दल को प्रधानाचार्य पुष्पा धस्माना ने हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। छात्राओं ने श्री गुरु राम राय पैरामेडिकल कालेज, राजकीय पॉलीटेक्निक एवं भगवन्त ग्लोबल विश्वविद्यालय का भ्रमण कर विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित जानकारी प्राप्त की। शिक्षिका मंजू कपरवाण, उषा रावत, किरन जागरवाल, ऋतु थपलियाल,अर्चना कंडवाल एवं अलका लिंगवाल ने छात्राओं का मार्ग दर्शन किया।

मेले में उत्तराखण्ड पुलिस एप का लाभ उठाने के लिए किया प्रेरित

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : पुलिस द्वारा इन दिनों मेलों में जाकर लोगों को साइबर अपराध, महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों को लेकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। थलीसैंण पुलिस ने बिनसर महादेव मंदिर थलीसैंण में लगे मेले में लोगों को साइबर अपराध और महिलाओं को कई जानकारियां दी गई। इस दौरान महिलाओं एवं युवतियों को उत्तराखंड पुलिस एप डाउनलोड करा कर ऐप में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी देते हुये अपने मोबाइल से ही घर बैठे लाभप्रद सुविधाओं का लाभ उठाने हेतु प्रेरित किया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी श्वेता चौबे के निर्देश पर जिले भर में पुलिस द्वारा अपने क्षेत्रों में लगने वाले मेलों में जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। इसी के तहत बिनसर महादेव मंदिर थलीसैंण में लगे मेले के दौरान मेले में आई महिलाओं, युवतियों को उत्तराखण्ड पुलिस ऐप की सुविधाओं की विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। साथ ही मेले में आए लोगो को साइबर अपराधों के होने से पहले बरती जाने वाली सावधानियों, साइबर अपराध घटित हो जाने के बाद अपनाए जाने वाले तरीकों के बारे में जानकारी प्रदान की गई। इसके अलावा नशे की बढ़ती प्रवृत्ति एवं नशे के दुष्प्रभाव, महिला एवं बच्चों से संबंधित अपराधों, साइबर हेल्पलाइन नम्बर 1930, आपातकालीन नंबर डायल-112 आदि के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी देकर लोगों को जागरूक किया गया।

शैक्षिक भ्रमण में छात्राओं ने सीखे होटल मैनेजमेंट के गुर

कोटद्वार : इंस्टीट्यूट ऑफ हास्पीटेलिटी मैनजमैंट एंड साइंसेज (आईएचएमएस) की ओर से आयोजित करियर काउंसलिंग कार्यक्रम के तहत शहीद लांस नायक धनवीर सिहं राणा राजकीय बालिका इंटर कालेज कलालघाटी की छात्राओं ने संस्थान का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान छात्राओं ने होटल मैनेजमेंट के गुर सीखे।

बुधवार को बलभद्रपुर बीईएल रोड स्थित संस्थान में पहुंचीं कक्षा 12वीं की छात्राओं को होटल मैनेजमेंट विभाग के प्राध्यापक टेकचंद कुंवर ने पांच सितारा होटल में बनाए जाने वाले सूप और सैंडविच बनाना सिखाया। प्रध्यापक अनुज नेगी और गुरदीप सिंह ने छात्राओं को मॉकटेल बनाने की विधि बताई। इसके बाद संस्थान के एडमिशन अधिकारी विजय पंत ने छात्राओं को बैचलर ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट (बीबीए), बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए), बैचलर इन कंप्यूटर साइंस एंड इनफॉरमेशन टैक्नालॉजी (बीएससी-आईटी), बैचलर ऑफ होटल मैनेजमेंट (बीएचएम) और सीएचएम कोर्स की जानकारी दी। संस्थान की कर्मी मोनिका वेदवाल और फरहद जहां ने छात्राओं को संस्थान का भ्रमण कराया। इस अवसर पर संस्थान के ईडी श्री अजयराज नेगी ने कहा कि युवाओं को 12वीं की परीक्षा पास करने के बाद आगे रोजगार करने के लिए कोर्स की जानकारी नहीं होती है। ऐसे में वे जानकारी के आभाव में नौकरी के लिए भटकते रहते हैं। युवाओं को उनके भविष्य के लिए संस्थान की ओर से उन्हें करियर काउंसलिंग कार्यक्रम के माध्यम से रोजगार परक कोर्स की जाकारी दी जाती है। इस अवसर पर संस्थान के संस्थान के डायरेक्टर एडमिन कर्नल बीएस गुसाईं, जनसंपर्क अधिकारी नरेश थपलियाल, जीआईसी की शिक्षिका किरन अग्रवाल, उषा रावत, कैप्टेन एसपी चमोली आदि मौजूद रहे।

होटल मैनेजमेंट के गुर सीखते विद्यार्थी

जीआईसी कलालघाटी की छात्राओं ने किया आईएचएमएस का भ्रमण

तीन हजार मी. दौड़ में खुशबू, धर्मेश ने मारी बाजी

पौड़ी : कंडोलिया खेल मैदान में ब्लाक स्तरीय खेल महाकुंभ का आयोजन किया गया। महाकुंभ के तहत दौड़, लंबी कूद आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। अंडर-17 बालिका वर्ग की 3 हजार मी. दौड़ में खुशबू ने पहला, महक नेगी ने दूसरा व हिमानी ने तीसरा स्थान पाया। बालक वर्ग में धर्मेश जवाड़ी पहले, अनिकेत दूसरे व अंकित सिंह तीसरे स्थान पर रहे।

बुधवार को कंडोलिया मैदान में ब्लाक स्तरीय खेल महाकुंभ का शुभारंभ ब्लाक प्रमुख दीपक कुकशाल ने किया। पहले दिन अंडर-14 बालिका लंबीकूद में तानिया रावत पहले, कोमल दूसरे, अर्चना नेगी तीसरे, अंडर-17 बालक 100 मी. दौड़ में शौर्य रौथाण ने पहला, करण ने दूसरा, अश्विन ने तीसरा, बालिका वर्ग में रेशमा ने पहला, सोनाक्षी ने दूसरा, दीपिका ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। अंडर-14 बालक वर्ग 60 मी. दौड़ में वेदांश ने पहला, दीपक रावत ने दूसरा व प्रवीन रावत ने तीसरा, बालिका वर्ग में याचिका पहले, कोमल दूसरे व दीपांशी तीसरे स्थान पर रही। अंडर-14 बालिका के 600 मी. में दीपांशी पहले, चांदनी दूसरे, बबीता तीसरे, बालक वर्ग में ऋषभ ने पहला, नमन ने दूसरा व आशुतोष ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर विजेता प्रतिभागियों को मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर जिला युवा कल्याण अधिकारी रविंद्र कुमार सिंह, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी नरेश रावत, राजेंद्र सिंह रावत, नरेश जुयाल, जितेंद्र राय, रजनीश अंथ्वाल, देवेंद्र सिंह, कमल किशोर उप्रेती आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार, गुरूवार
30 नवम्बर 2023
वर्षः 45
अंकः 211 पृष्ठः 8
मूल्यः 2.00
RNI-35469/79

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

सिल्क्यारा फतह के बाद मुख्यमंत्री आवास में हर्ष पर्व के रूप में हर्षोल्लास से मनाई गयी इगास

मुख्यमंत्री ने सिल्क्यारा सुरंग में फंसे श्रमिकों के परिजनों को मुख्यमंत्री आवास में किया सम्मानित□ मजदूरों के परिजनों ने मुख्यमंत्री का जताया आभार□ सांस्कृतिक कार्यक्रम में राज्य की लोक संस्कृति से रूबरू हुये श्रमिकों के परिजन □ सांस्कृतिक नृत्य में परिजनों ने भागीदारी कर मनायी दीवाली, जतायी खुशी

देहरादून ,मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में बुधवार को देर सांय तक सिल्क्यारा सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों के सकुशल बाहर आने की खुशी में हर्ष पर्व के रूप में इगास मनायी गयी। इस अवसर पर श्रमिकों के परिजन भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने सभी परिजनों का माल्यार्पण करनें के साथ ही शल ओढ़ाकर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर सांस्कृतिक दलों द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं। सांस्कृतिक कार्यक्रम में राज्य की लोक संसति से श्रमिकों के परिजन भी रूबरू हुये तथा सांस्कृतिक नृत्य में परिजनों ने भागीदारी कर हर्षोल्लास के साथ दीवाली मनायी तथा अपने परिजनों के सकुशल टनल से बाहर आने पर खुशी जतायी। उन्होंने इसके लिये मुख्यमंत्री का विशेषरूप से आभार जताया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में श्रमिकों के परिजनों ने भी हिस्सा लिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने श्रमिकों के परिजनों को सम्मानित करते हुए उनके धैर्य और श्रमिकों के साहस की सराहना की। उन्होंने कहा कि हमारे लिए आज इगास का पर्व है, क्योंकि हमारे श्रमिक भाई सकुशल बाहर आ गए हैं और स्वस्थ हैं। सांसतिक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने भेलू खेलकर तथा लोक नृत्य कर इगास पर्व मनाते हुए सभी प्रदेशवासियों को पुनः इगास पर्व की शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि बचाव दल की तत्परता, टेक्नोलाजी के सहयोग तथा सुरंग के अंदर फंसे श्रमिक बांुओं की जीवटता के साथ ही प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन एवं बौखनाग देवता की पा से यह अभियान सफल हुआ और हमारे श्रमिक भाई सकुशल हमारे बीच आये।मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके लिये यह अवसर बड़ी खुशी का रहा है। जितनी प्रसन्नता श्रमिक बंधुओं और उनके परिजनों को है, उतनी ही प्रसन्नता उन्हें भी हुई है। उन्होंने कहा कि बचाव अभियान से जुड़े एक-एक सदस्य का वे हृदय से आभार प्रकट करते है। जिन्होंने देवदूत बनकर इस अभियान को सफल बनाया। उन्होंने कहा कि सही मायनों में हमें अब ईगास पर्व की खुशी मिली है। उन्होंने कहा कि भगवान बौख नाग देवता की पा भी इसमें सहयोगी बनी। सीएम ने श्रमिकों के साहस, मनोबल और परिजनों के धैर्य के साथ ही रेसक्यू अभियान में शामिल सभी एजेंसियों व कार्मिकों की अनथक मेहनत को इस अभियान की सफलता का अधाार बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी सुरंग में फंसे श्रमिकों को सकुशल बाहर निकालने के अभियान पर निरंतर नजर रखे हुए थे और वह श्रमिकों की कुशलता को लेकर हमेशा चिंतित रहते थे प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में श्रमिकों के अनमोल जीवन को बचाने की सरकार की वचनवद्धता और परिजनों के साथ ही जनता द्वारा जताए गए अटूट विश्वास ने इस बेहद जटिल , चुनौतीपूर्ण और जोखिम भरे बचाव अभियान को कामयाब बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुरंग हादसे के चलते हम सब इस बार दीपावली नही मना पाए थे, सभी श्रमिको को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिए जाने के बाद आज दिवाली का जश्न मनाया गया है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री प्रेमचंद्र अग्रवाल, डॉ.धन सिंह रावत, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, खजान दास,गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडेय, सचिव मीनाक्षी सुंदरम, एडीजीपी अमित सिन्हा, सूचना महानिदेशक बंशीार तिवारी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मौसम पूर्वानुमानः उत्तराखंड में बारिश और बर्फबारी पर अलर्ट जारी

देहरादून। उत्तराखंड मौसम पूर्वानुमान में बड़ा अपडेट सामने आया है। मैदानी और पर्वतीय शहरों में आने वाले दिनों में सर्दी का सितम होगा। आईएमडी की ओर से बारिश और बर्फबारी पर अलर्ट जारी किया गया है। देहरादून समेत प्रदेश के सभी जिलों में बारिश एवं ओलावृष्टि का येलो अलर्ट जारी किया गया है। 3500 मीटर से उंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी भी हो सकती है। उधर, मंगलवार को प्रदेश में देहरादून समेत अधिकांश इलाकों में बादल छाए रहने से ठंड बढ़ गई। दून समेत अन्य जगहों पर तापमान सोमवार के मुकाबले ज्यादा दर्ज किया गया। दून में मंगलवार को पारा 22.2 डिग्री रहा। मौसम विभाग के निदेशक डॉ. बिक्रम सिंह ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से बारिश एवं ओलावृष्टि की संभावना है। 30 नवंबर को प्रदेश के सभी जिलों के लिए येलो अलर्ट रहेगा।

मसूरी में बदला मौसम का मिजाज, ठंड बढ़ी

मसूरी। पर्यटन नगरी मसूरी में मंगलवार सुबह से ही मौसम का मिजाज बदला हुआ नजर आया। सुबह के समय खिली हल्की धूप के बाद आसमान में बादल छा गए। इसके बाद सर्द हवाएं चलनी शुरू हो गई। माल रोड सहित पर्यटक स्थलों पर भी सुबह से लेकर शाम तक सन्नाटा पसरा नजर आया।

चिनूक हेलीकॉप्टर से श्रमिकों को लाए एम्स ऋषिकेश

ऋषिकेश : उत्तरकाशी के सिलक्यारा में टनल में फंसे श्रमिकों को बुधवार को चिनूक हेलीकॉप्टर से एम्स ऋषिकेश में लाया गया। सभी को अलग-अलग एंबुलेंस से संस्थान के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों की टीम श्रमिकों के स्वास्थ्य परीक्षण में जुटी है। उन्हें गुरुवार तक चिकित्सकों की देखरेख में एम्स में रखा जाएगा। दोपहर दो बजकर सात मिनट पर चिनूक हेलीकॉप्टर श्रमिकों को लेकर एम्स हेलीपैड पर पहुंचा। यहां पहले से ही तैनात एंबुलेंसों से श्रमिकों को ट्रामा सेंटर तक पहुंचाया गया। इस दौरान एम्स की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू ने श्रमिकों का फूलों से स्वागत किया। मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल एवं डॉ. धन सिंह रावत भी श्रमिकों से मिलने के लिए पहुंचे। उन्होंने श्रमिकों के धैर्य को सराहा। संस्थान के विशेषज्ञ चिकित्सकों से आवश्यक जानकारी लेकर उन्हें भी श्रमिकों का पूरा ख्याल रखने के लिए कहा।

41 मजदूर और 17 दिनों का संघर्ष, कैबिनेट बैठक में भावुक हो गए मोदी

नई दिल्ली। 17 दिन के अथक प्रयासों के बाद अंततः सकुशल मजदूरों की सुरंग से निकासी हुई। इस ऑपरेशन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी पैनी निगाह बनाई हुई थी और लगातार अपडेट ले रहे थे। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री मोदी कैबिनेट बैठक में यह जानकर बहुत भावुक हो गए कि उत्तरकाशी सुरंग के अंदर फंसे 41 मजदूरों को 17 दिन के ऑपरेशन के बाद बाहर निकाला गया।

मजदूरों का अपडेट लेते थे मोदी

बता दें कि 12 नवंबर से सिल्कयारा सुरंग में फंसे मजदूरों को निकालने का रेस्क्यू ऑपरेशन मंगलवार शाम को संपन्न हुआ।

केंद्रीय मंत्री ने मंगलवार रात हुई कैबिनेट बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि चुनाव प्रचार के दौरान भी प्रधानमंत्री मोदी दिन में कम से कम दो बार सुरंग में फंसे मजदूरों का हाल पूछते थे।

कड़वा अतीत छोड़ उत्तरकाशी मिशन बना मिसाल

उत्तरकाशी : उत्तराखंड में टनल हादसों में राहत एवं बचाव कार्य का पुराना इतिहास बहुत बेहतर नहीं रहा है। इन सबको पीछे छोड़ इस बार उत्तरकाशी मिशन सिलक्यारा पूरी तरह सफल रहा। टनल अभियान में 16 दिन बाद जाकर सफलता मिली। सभी 41 मजदूरों को बचा कर एक लंबी लकीर खींची गई। उत्तरकाशी सिलक्यारा टनल हादसा 17वें दिन जाकर कामयाब हो पाया। इस अभियान में राज्य से लेकर केंद्र की एजेंसियों के समय रहते मोर्चा संभालने से बड़ी कामयाबी हाथ आई। सुरंग में फंसे 41 लोगों में से सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। ये अभियान की बड़ी सफलता रही। जबकि पूर्व में उत्तराखंड में जो भी टनल हादसे हुए, वहां बड़ी संख्या में लोगों को अपनी जान तक गंवानी पड़ी। दीवाली के दिन 12 नवंबर को हुए हादसे के बाद 13 नवंबर से श्रमिकों तक सरकार ने खाने और पीने का इंतजाम कर दिया था। यही इस अभियान की सबसे बड़ी सफलता रही। सिलक्यारा उत्तरकाशी में घटना के कुछ घंटों के भीतर सरकारी सिस्टम मौके पर पहुंच गया था। हालांकि बचाव अभियान 48 घंटे बाद ही शुरू हो पाया था, लेकिन आपूर्ति समय पर शुरू हो गई थी। इसके कारण सुरंग के भीतर श्रमिकों का हौसला बना रहा। पाइप के सहारे ही पहले श्रमिकों से बातचीत तक हुई। इससे उनमें हिम्मत और बढ़ती चली गई। यही इस अभियान की सफलता की सबसे बड़ी वजह रही।

टनल हादसों का रहा पुराना इतिहास

टिहरी बांध में दो अगस्त 2004 की रात को टनल टी थ्री के धंसने से बड़ा हादसा हुआ। इस हादसे में 29 लोगों की जान गई। इसी तरह सात फरवरी 2021 को चमोली के रैणी ऋषि गंगा में आई बाढ़ के कारण रैणी ऋषि गंगा परियोजना में काम करने वाले 105 लोगों की मौत हो गई थी। यहां भी टनल में फंसने से मौत हुई थी। टनल खोलने में तीन दिन का समय लगा। इस हादसे में टनल में फंसे 105 लोगों के शव तो मिल गये थे जबकि 204 लोग लापता हो गए थे।

देश-दुनिया के सफल रेस्क्यू में अब सिलक्यारा भी शामिल

उत्तरकाशी में 41 श्रमिकों को 17वें दिन सकुशल रेस्क्यू किए जाने के साथ ही सिलक्यारा देश-दुनिया के बड़े बचाव अभियानों में शामिल हो गया। यहां देश की आपदा राहत टीमों ने अपनी योग्यता और क्षमता का लोहा मनवाया। यह देश का अभी तक का सबसे सफल रेस्क्यू अभियान माना जा रहा है। इस अभियान के दौरान हमारे संसाधन, आपदा प्रबंधन और इंजीनियरिंग कौशल को कड़ी परीक्षा से गुजरना पड़ा।

डेढ़ पेटी शराब के साथ एक गिरफ्तार

पौड़ी : जिले में अवैध शराब की तस्करी रूकने का नाम नहीं ले रही है। हालांकि जिले की पुलिस शराब तस्करों के खिलाफ लगातार कार्यवाही कर रही है, लेकिन इसके बावजूद भी शराब तस्करी का खेल रूकने का नाम नहीं ले रहा है। धुमाकोट पुलिस ने चेकिंग के दौरान नैनीडांडा से एक व्यक्ति को डेढ़ पेटी अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया है। धुमाकोट के थाना प्रभारी लाखन सिंह ने बताया कि पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान नैनीडांडा के हल्दुखाल में मैकडॉवेल और सॉलमेट ब्रॉड की करीब डेढ़ पेटी अवैध शराब बरामद की। मामले में बिमलानंद गौड़ निवासी मंडाउ को गिरफ्तार किया गया। पुलिस टीम में चौकी प्रभारी नैनीडांडा भावना भट्ट, कांस्टेबल शैलेंद्र पेटवाल और पीआरडी जवान वीरेंद्र नेगी आदि शामिल रहे।

ऋषिकेश वाया सिलोगी-गैंडखाल बस सेवा होगी प्रारंभ

कोटद्वार : गढ़वाल मोटर ओनर्स यूनियन (जीएमओयू) लिमिटेड की ओर से ऋषिकेश वाया सिलोगी-गैंडखाल बस सेवा प्रारंभ की जा रही है। इसके लिए कंपनी ने तैयारियां भी पूरी कर ली है। कंपनी अध्यक्ष जीत सिंह पटवाल ने बताया कि पर्वतीय क्षेत्रों में बस सेवा को बेहतर बनाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। वर्तमान में कंपनी ऋषिकेश-सिलोगी-गैंडखाल बस सेवा प्रारंभ करने जा रही है। बताया कि एक दिसंबर से प्रातः साढ़े आठ बजे बस कोटद्वार से सिलोगी-गैंडखाल होते हुए ऋषिकेश के लिए रवाना होगी। बताया कि अगले दिन प्रातः ऋषिकेश से कोटद्वार से लिए निकलेगी।

पद्मश्री के हकदार है गढ़रत्न नेगी

श्रीनगर गढ़वाल : प्रख्यात कवि डॉ. विश्वास कुमार ने गढ़रत्न नरेंद्र सिंह नेगी की तारीफ करते हुए कहा कि पद्मश्री के असली हकदार गढ़वाल के सुप्रसिद्ध लोक गायक व साहित्यकार नरेंद्र सिंह नेगी ही हैं। उन्होंने कहा कि उनके एक ही गाने ने पूरी सरकार बदल दी। (एजेंसी)

मजदूरों के बाहर निकलने पर खुशी जताई

श्रीनगर गढ़वाल : बैकुंठ चतुर्दशी मेले में आयोजित कवि सम्मेलन में कवि व लेखक डॉ. कुमार विश्वास ने 17 दिन बाद टनल से मजदूरों को सुरक्षित निकाले जाने पर खुशी व्यक्त की। कहा कि इस कार्यक्रम से पूर्व मां धारी के मंदिर जाकर देवी मां से मजदूरों के कुशलक्षेम की कामना की थी।

बोर्ड परीक्षा के 25 मेधावी छात्रों समेत शिक्षकों का किया सम्मान

जयन्त प्रतिनिधि।

श्रीनगर : उत्तरोदय संस्था द्वारा जनपद टिहरी गढ़वाल के राजकीय आदर्श इंटर कॉलेज कीर्ति नगर, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज किलकिलेश्वर, राजकीय इंटर कॉलेज किलकिलेश्वर, सरस्वती विद्या मंदिर मढ़ी कॉलोनी चौरास, राजकीय इंटरमीडिएट कॉलेज न्यूली अकरी के बोर्ड परीक्षा में सर्वोत्तम अंक हासिल करने वाले पांच-पांच छात्रों एवं एक-एक शिक्षक के साथ कुल 25 बच्चों और पांच शिक्षकों का सम्मानित किया गया। छात्रों को लेखन सामग्री, बैग, डिक्शनरी, वाटर बोतल व प्रशस्ति पत्र के साथ सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र एवं साल भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके अलावा सरस्वती शिशु मंदिर देवप्रयाग को तबला एवं ढोलक भी प्रदान किए गए।

कीर्तिनगर में संस्था प्रमुख इंद्र दत्त पांडे

सेवानिवृत्त अपर जिला अधिकारी दिल्ली सरकार, सचिव दिनेश जोशी सेवा निवृत्त असिस्टेंट कमिश्नर एम.सी.डी, उपसचिव अनिल जोशी के साथ डाइट चड़ीगांव पौड़ी के प्रवक्ता डॉ. नारायण प्रसाद उनियाल के सहयोग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्था के अध्यक्ष श्री पांडे ने बताया कि 1992 से संस्था अपने निजी स्रोतों से हिसरियाखाल न्याय पंचायत के अंतर्गत प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट के बच्चों को लगातार लेखन सामग्री व ऊनी वस्त्र आदि भेंट कर निर्धन बच्चों की सहायता करती आ रही है। इस वर्ष संस्था ने पांच विद्यालयों के बोर्ड परीक्षा में उच्चतम अंक हासिल करने वाले पांच-पांच बच्चों एवं शिक्षकों को सम्मानित करने का निर्णय लिया। उसी क्रम में इन विद्यालयों का चयन किया गया। डायट प्रवक्ता डॉक्टर नारायण प्रसाद उनियाल ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कहा कि वे उत्कृष्ट परीक्षा फल देने वाले बच्चों की सराहना करते है साथ ही अन्य बच्चों को प्रेरणा लेने की सलाह देते हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. वाईएस नेगी, श्रीमती मीना सेमवाल, राजेंद्र सिंह रौथाण, जय सिंह नेगी, विभोर चंद्र बहुगुणा ने विद्यालय के चयन के लिए संस्था का धन्यवाद दिया। सम्मानित वाले होने वाले शिक्षकों में राजकीय इंटर कॉलेज कीर्तिनगर से कमलेश जोशी, बालिका इंटर कॉलेज के किलकिलेश्वर से श्रीमती रेखा चौहान, इंटर कॉलेज किलकिलेश्वर से श्रीमती राधा मंदोला, विद्या मंदिर मढ़ी चौरास से श्रीमती अंजना और राजकीय इंटर कॉलेज न्यूली से श्रीमती सविता उनियाल रही। इस अवसर पर समस्त विद्यालयों के शिक्षक एवं छात्र और डाइट चड़ीगांव पौड़ी गढ़वाल से विनय किमोठी उपस्थित रहे।

नशा के खिलाफ सख्त वैधानिक कदम उठाने की जरूरत : डीएम

मानक के उल्लंघन में एक मेडिकल स्टोर किया गया सीज और छः पर कार्यवाही की तैयारी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : उपरोक्त विवरण स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग और राजस्व विभाग जैसे विभागों ने जिलाधिकारी डॉ0 आशीष चौहान की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गयी जनपद एन्कोर्ड (नार्कोटिक्स कौर्डिनेशन) समिति की बैठक में जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया गया। उन्होंने कहा कि नशा समाज के लिए बहुत घातक है तथा इससे छुटकारा पाने के लिए जागरूकता के साथ-साथ सख्त वैधानिक कदम उठाने की भी जरूरत है। उन्होंने पिछली बैठक से लगातार अनुपस्थित रहने वाले कोटद्वार के औषधि निरीक्षक के विरुद्ध उपजिलाधिकारी कोटद्वार को अनुशासनात्मक कार्यवाही की संस्तुति करने को कहा है।

बैठक में एनफोर्समेंट की कार्यवाही का विभिन्न विभागों ने विवरण प्रस्तुत किया। स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि नैनीडांडा के एक मेडिकल स्टोर को अवैध लाइसेंस से संचालित करने के चलते सीज किया गया तथा 6 अन्य मेडिकल स्टोर पर भी जिनके लाइसेंस उल्लंघन या अन्य गंभीर किस्म के मानक का उल्लंघन का आरोप है उन पर भी कार्यवाही की जा रही है। पुलिस विभाग ने बताया कि शराब और नशे से जुड़े हुए 7 लोगों को अब तक जिला बदर किया गया है

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में उपस्थित अधिकारी।

तथा 15 के विरूद्ध गुण्डा एक्ट के अंतर्गत वैधानिक कार्यवाही की गयी है। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग और पुलिस विभाग द्वारा नशा के विरूद्ध की गयी एन्फोर्समेंट की कार्यवाही की प्रशंसा करते हुए कहा कि जनपद को नशामुक्त बनाने के लिए जो भी कड़े कदम उठाने चाहिए। उन्होंने 57 ऐसे मेडिकल स्टोर जिन्होंने अभी तक अपने यहां सीसीटीवी कैमरा अपलोड नहीं किया है तत्काल सीसीटीवी कैमरा लगवाने की सक्त चेतावनी जारी करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने ऐसे सभी क्षेत्र जो नशे की दृष्टि से संवेदनशील है उन क्षेत्रों की लगातार निगरानी करने तथा स्थानीय लोगों की मदद से नशे के सौदागारों तक पहुंचने के लिए लगातार अभियान चलाने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने समाज कल्याण विभाग को लोगों को नशामुक्ति के प्रति जागरूक करने के लिए प्रचार-प्रसार सामाग्री के साथ ही विजुअल माध्यम से भी जनता से अपील करने के लिए विडियो बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने वन विभाग को भी अपने क्षेत्रों में नशे से जुड़ी गतिविधियों और किसी भी तरह के उत्पादन को समूल रूप से नष्ट करने के निर्देश दिये। इस दौरान बैठक में वर्चुअल माध्यम से वरिष्ट पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे और विभिन्न क्षेत्रों से उपजिलाधिकारी उपस्थित थे।

धूमधाम से मनाया जाएगा गढ़वाल विवि का स्थापना दिवस

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती समारोह के अवसर पर एक दिसम्बर को विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस मनाया जायेगा। इस मौके पर विवि के स्थापना में अहम योगदान देने वाले पांच शख्सियतों को सम्मानित किया जाएगा। विश्वविद्यालय योगदान सम्मान के अन्तर्गत कुंज बिहारी नेगी, कृष्णानन्द मैठाणी, वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली, मंजूर अहमद बेग और जगदम्बा प्रसाद रतूड़ी को विश्वविद्यालय स्थापना आन्दोलन में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित करेगा। स्वर्ण जयंती समारोह के दूसरे सत्र में कंसोर्टियम ऑफ सेंट्रल यूनिवर्सिटी इन हिमालयन स्टडीज के विभिन्न विश्वविद्यालय के मध्य विभिन्न एम.ओ.यू. होंगे। विश्वविद्यालय से शिक्षा ग्रहण कर अपने-अपने क्षेत्रों में बड़ी उपलब्धि हासिल करने वाले पूर्व छात्रों को विश्वविद्यालय उपलब्धियों का सम्मान शीर्षक के अन्तर्गत सम्मानित करेगा। गढ़वाल विवि की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल ने बताया कि विश्वविद्यालय 1 दिसम्बर 2023 को अपने पचास वर्ष पूर्ण कर रहा है। इसलिए स्वर्ण जयंती समारोह के अवसर पर गढ़वाल विश्वविद्यालय की स्थापना में असाधारण योगदान देने वाले आंदोलनकारियों को याद करना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने बताया कि गढ़वाल विश्वविद्यालय से अध्ययन कर अनेक छात्र आज देश-विदेश में उच्च पदों पर आसीन है जो विश्वविद्यालय के लिए गौरव का विषय है।

शिक्षक ने चलाया अभियान, विद्यार्थियों को बांटे स्वेटर व जूते

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भाबर क्षेत्र स्थित राजकीय इंटर कॉलेज जयदेवपुर सिगड्डी में कार्यरत दिव्यांग गणित शिक्षक राजीव शर्मा ने अभियान चलाकर विद्यालय में अध्ययनरत गरीब और जरूरतमंद छात्रों की मदद की। उन्होंने समाज के संपन्न व्यक्तियों से भी विद्यार्थियों की मदद के लिए आगे आने की अपील की।

शिक्षक राजीव शर्मा ने बताया कि उन्होंने सोशल मीडिया में विद्यालय के गरीब और जरूरतमंद छात्र और छात्राओं की मदद के लिए स्वेटर व जूते आदि दान देने संबधी अपील प्रचारित की थी। इस अभियान में उनके सोशल मीडिया दोस्त, सेवानिवृत और वर्तमान शिक्षक, भूतपूर्व छात्रों एवं उनके रिश्तेदारों सहित सिगड्डी ग्रोथ सेंटर स्थित बनजोश कम्पनी के मालिक कमल जोशी सेवानिवृत्त अंग्रेजी प्रवक्ता राजेंद्र सिंह रावत की मदद से वे पचास हजार की धनराशि एकत्र करने में सफल रहे। इस धनराशि से उन्होंने छात्र-छात्राओं के लिए स्वेटर,जूते व जुराबें खरीदी और विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में 70 छात्रों को स्वेटर, 50 छात्रों को जूते और सभी 130 छात्रों को जुराबों का वितरण किया गया। इस अवसर पर उन्होंने अपने साथियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनके योगदान से इस कार्य को सफलता मिली। उन्होंने कहा कि वे तो केवल एक माध्यम थे जिनको ईश्वर ने इस कार्य के लिए चुना। इस अवसर पर प्रधानाचार्य सोबेंद्र जोशी, शिक्षक जेके दोहरे, सतीश चंद्र, दीवान सिंह रावत, सुनील खंतवाल, वेद प्रकाश धस्माना, संजय ध्यानी और गजपाल रावत सहित सभी कर्मचारी मौजूद रहे।

कभी कबीरा दीवाना था कभी मीरा दीवानी है...

बैकुण्ठ चतुर्दशी मेले की चौथी रात्रि संध्या में कवियों ने जमाया रंग

श्रीनगर गढ़वाल : बैकुण्ठ चतुर्दशी मेले की चौथी रात्रि संध्या में कवियों ने खूब रंग जमाया। संध्या में आकर्षण का केंद्र रहे डॉ. कुमार विश्वास ने अपने अंदाज में कवि सम्मेलन को संचालित कर लोगों को कवि सम्मेलन में सहभागी बनाया। राष्ट्रभक्ति, देश के लिए बलिदान की भावना, भारतीय संस्कृति के महत्व पर प्रस्तुत की गई कविताओं पर पांडाल दर्शकों की तालियों से गूंजता रहा। बीच-बीच में कवियों ने अपने व्यंग्यों से दर्शकों को खूब हंसाया और कविताओं के माध्यम से जन संदेश भी दिया।

इस अवसर पर कविराज डॉ. कुमार विश्वास ने मोहब्बत एक एहसासों की पावन सी कहानी है, कभी कबीरा दीवाना था कभी मीरा दीवानी है, जिंदगी से लड़ा हूं तुम्हारे बिना हाशिये पर पड़ा हूं तुम्हारे बिना सहित कई लाजवाब कविताएं सुनाकर श्रोताओं का मनमोह लिया। डॉ. कुमार विश्वास ने गीत, गजलों से उसे पेगाम करता हूं, उसी की दी हुई दौलत उसी के नाम करता हूं...का काव्य पाठ कर खूब तालियां बटौरी। इसके बाद उन्होनें अपनी प्रसिद्ध और खास तौर पर युवाओं की पसंदीदा कविता कोई दीवाना कहता है कोई पागल समझता है.. कविता से लोगों को कविता गान करने पर मजबूर कर दिया। उत्तर प्रदेश के अवध से पहुंची प्रसिद्ध कवित्री कविता तिवारी ने सारी धरा तुम्हारे ही गीत गा रही, ऐसा लगा तू मधुरीम वीणा बजा रही है कविता का पाठ कर मां शारदे का आह्वान करते हुए शुभारंभ किया। इसके बाद उन्होंने क्षितिज तक शौर्य गूंजेगा स्वयं तीनमान बदलेगा उतारो भारती की आरती सम्मान बदलेगा विवादों में उलझकर कीर्तिमा को मत करो धूमिल शहीदों की करो पूजा तो हिंदुस्तान बदलेगा.., किसी को शह दिया उसने किसी को मात दे दी है विधाता ने सभी को कुछ ना कुछ तो बात दे दी है.. कविता का पाठ कर खूब वाहवाही लूटी। आगरा से पहुंचे कवि रमेश मुस्कान ने मोहब्बत सिर्फ खर्चों की बड़ी लंबी कहानी है, ओ कंप्यूटर युग की छोरी मन की काली तन की गोरी, करना मुझको माफ मैं तुमको प्यार नहीं दे पाऊंगा आदि से उपस्थित दर्शकों को खूब गुदगुदाया। मुम्बई से पहुंचे दिनेश बावरा ने युवाओं में बढ़ते मोबाइल की लत पर तंज कसते हुए कहा कि अपने हौसले को बुलंद करना सीखिए, मोबाइल चलाना तो सीख लिया है, थोड़ी देरी बंद करना सीख लीजिये कविता पाठ कर खूब वाहवाही लूटी। इस पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर सिविल जज रजनीश मोहन, जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान, नगर आयुक्त उप जिला अधिकारी नूपुर वर्मा, सहायक नगर आयुक्त रविराज बंगारी, हर्षित सिंह सहित आदि मौजूद थे।

गंगा के प्रति अवधारणा बदलने की जरूरत

श्रीनगर गढ़वाल : बैकुण्ठ चतुर्दशी मेले में एक शाम गंगा के नाम पर आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए डॉ. कुमार विश्वास ने कहा कि गंगा कोई नदी नहीं, बहता पानी नहीं। गंगा के प्रति अपनी अवधारणा बदलने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि गंगा भारत की संस्कृति की महारेखा है। जिसके दोनों तरफ भारत सांस लेता है।

60 मी. दौड़ में राकेश और 600 मी. में हिमांशु दौड़ा सबसे तेज

जयन्त प्रतिनिधि।

थलीसैंण : विकास खंड थलीसैंण के खेल मैदान में ब्लाक स्तरीय खेल महाकुंभ का आयोजन किया गया। महाकुंभ के तहत दौड़, लंबी कूद आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि आनंद सिंह नेगी पूर्व प्रधान कैन्यूर ने खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी ने बताया कि अंडर–14 बालक व बालिका की प्रतियोगिता आयोजित की गई। बालक वर्ग 60 मीटर दौड़ में राकेश नेगी कैन्यूर, अंकित भंडारी बूंगीधार, रोहित बघेली, 600 मीटर दौड़ में बालक वर्ग हिमांशु बुंगीधार, अर्पण जोशी बघेली, सचिन बिष्ट कनाकोट, गोला फेंक बालिका वर्ग में साधना कैन्यूर, रोशनी बघेली, निकिता बूंगीधार ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया। ऊंची कूद बालक वर्ग में रोशन नेगी कैन्यूर और प्रथम, अर्पण जोशी बघेली द्वितीय, सुमित रावत चौरा तृतीय, बालिका वर्ग में मीनाषा बघेली प्रथम, निकिता बुगीधार द्वितीय, मीनाक्षी पित्रसैंण तृतीय स्थान पर रही। लंबी कूद

बालक वर्ग में रोशन नेगी कैन्यूर प्रथम, अर्पण जोशी बघेली द्वितीय, सुमित रावत चौरा तृतीय, नेहा तृतीया स्थान प्राप्त किया वह बालिका वर्ग लक्ष्मी कैन्यूर प्रथम, चांदनी चौरा द्वितीय, दीपिका बघेली ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि आनंद सिंह नेगी पूर्व प्रधान कैन्यूर, विशिष्ट अतिथि खंड विकास अधिकारी थलीसैंण टीकाराम कोटियाल, सहायक विकास अधिकारी पंचायत भगवत सिंह, उप कार्यक्रम अधिकारी योगेश सिंह ने विजेता प्रतिभागियों को मेडल, नगद धनराशि और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी दिनेश चौहान, धीरेन्द्र असवाल, आंनद सिंह, पप्पू कुमार, दिनेश सिंह, संजय बिष्ट, ममता रावत, किरण बाला, संदीप कुमार, भारत सिंह आदि ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

रुद्रप्रयाग में करीब 600 करोड़ का ज्यादा निवेश होगा

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : राज्य के आर्थिक विकास, निवेश प्रोत्साहन और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में चल रहे अभियान को जनपद स्तर पर भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। राज्य के सभी जनपदों में निवेश एवं आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए सभी जनपदों में जनपद स्तरीय इन्वेस्टर समिट का आयोजन किया जाना है। इसी क्रम में रुद्रप्रयाग जनपद में 30 नवंबर को इन्वेस्टर समिट होने जा रही है। मुख्यमंत्री के अथक प्रयासों का ही नतीजा है कि जनपद रुद्रप्रयाग में करीब 600 करोड़ का निवेश होने जा रहा है। महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र महेश प्रकाश ने बताया कि जनपद में आगामी 30 नवंबर को प्रातः 11 बजे से विकास भवन में इन्वेस्टर समिट आयोजित की जाएगी। इससे संबंधित तैयारी उद्योग विभाग द्वारा शुरू कर दी गई हैं। उन्होंने पर्यटन, कृषि, उद्यान, उरेडा, जिले के अग्रणीय बैंकों समेत सभी विभागों को अपने क्षेत्र के निवेशकों की सूची तैयार कर सभी को अनिवार्य रूप से कार्यक्रम का हिस्सा बनाने को कहा है। अब तक मिले आवेदनों के अनुसार करीब 600 करोड़ का निवेश जनपद को मिलने जा रहा है। इसमें एक हाइड्रो प्रोजेक्ट भी शामिल है जिसकी लागत 466 करोड़ रुपये है। वहीं होम स्टे, सोलर एवं अन्य उद्योगों में 125 करोड़ से ज्यादा का निवेश हमें मिलने जा रहा है। उन्होंने बताया कि जनपद में प्रस्तावित इन्वेस्टर समिट के तहत एक करोड़ तक के एमओयू जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक, एक करोड़ से 50 करोड़ तक के एमओयू जिलाधिकारी एवं 50 करोड़ से अधिक के एमओयू अपर मुख्य सचिव एवं प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारियों के स्तर से किए जाएंगे। इसी अनुसार सभी विभागों को अपने एमओयू तैयार करने होंगे। जिलाधिकारी सौरभ गहरवार ने महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र को इन्वेस्टर समिट से जुड़ी सभी तैयारियां दुरुस्त रखने के निर्देश दिए हैं। साथ ही जनपद में निवेश करने के इच्छुक सभी लोगों से संपर्क कर इस कार्यक्रम में उन्हें शामिल करने के निर्देश भी दिए। बैंक या विभागीय स्तर पर जिन उद्योगपतियों को पंजीकरण या अन्य कार्रवाई करने में किसी भी प्रकार की समस्याएं आ रही हैं उन समस्याओं को त्वरित निराकरण कर एमओयू के दस्तावेज तैयार करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने कहा कि छोटा जनपद होने के बावजूद हमारे पास 600 करोड़ का निवेश आना बड़ी उपलब्धि है।

रुद्रप्रयाग में अस्त्र-शस्त्रों के साथ किया पांडव नृत्य

रुद्रप्रयाग : जिला मुख्यालय की करीबी ग्राम पंचायत दरमोला भरदार में चल रहे पांडव नृत्य में पांडवों द्वारा अस्त्र-शस्त्रों के साथ नृत्य किया जा रहा है। यह दर्शकों के लिए आकर्षण का केन्द्र बना है। आगामी 14 दिसम्बर को प्रसाद वितरण के साथ पांडव नृत्य का विधिवत समापन किया जाएगा। बीते 23 नवम्बर एकादशी पर्व पर अलकनंदा-मंदाकिनी संगम स्थल गंगा स्नान के साथ ग्राम पंचायत दरमोला में पांडव नृत्य का विधिवत शुभारंभ हुआ। बुधवार को सुबह ग्रामीणों ने पूरी प्रसाद एवं खीर बनाकर भगवान बद्री विशाल एवं अन्य देवताओं को इसका भोग लगाया। पुजारी कीर्तिराम डिमरी ने पांडव के अस्त्र-शस्त्रों के साथ देव निशानों की विशेष पूजा-अर्चना कर आरती की। इसके बाद चारों दिशाओं की पूजा व देवताओं का आह्वान किया गया। पांडव पर्श्वों ने नृत्य करने वाले स्थान के चारों कोने की पूजा-अर्चना की। जिसके बाद ढोल सागर की ताल पर देवता अवतरित होने के बाद पुजारी ने पांडवों को उनके बाण एवं अन्य अस्त्र-शस्त्र दिए। तथा पांडवों ने ढोल-दमाऊ की थाप पर अस्त्र-शस्त्रों के नृत्य शुरू किया। पांडवों का नृत्य दूर-दराज क्षेत्रों से पहुंचे भक्तों के आकर्षण का केन्द्र बना रहा। बाणों के कौथिग का नृत्य लगभग दो घंटे तक चलता रहा। अंत में बदरीविशाल के लिए तैयार भोग को भक्तों में प्रसाद के रूप में वितरित किया गया। पांडव नृत्य देखने के लिए प्रतिदिन दरमोला, तरवाडी, स्वीली, सेम, डुंग्री, जवाड़ी, मेदनपुर, रौठिया समेत कई दूर-दराज क्षेत्रों से ग्रामीण पहुंच रहे हैं। इससे पूर्व उपस्थित सैकडों भक्तों ने भगवान बद्रीनाथ एवं शंकरनाथ देवता को भेंट लगाकर दर्शन किए, तथा अपने परिवार की खुशहाली की कामना भी की। पांडव नृत्य समिति दरमोला के अध्यक्ष बलवीर सिंह पंवार ने बताया कि 12 दिसम्बर को नौगरी का कौथिग, 13 दिसम्बर को गेंडे का कौथिग व सिरेता एवं 14 दिसम्बर को नारायण के फल वितरण के साथ पांडव नृत्य का विधिवत समापन किया जाएगा। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को पांडव नृत्य में पहुंचने की अपील की है। इस अवसर पर समिति के समिति के पूर्व अध्यक्ष जसपाल सिंह पंवार, कोषाध्यक्ष राजेन्द्र कप्रवान, विक्रम सिंह पंवार, दान सिंह, एनएस कप्रवान, त्रिलोक सिंह, हुकम सिंह, राकेश पंवार, विजय सिंह, मंगल सिंह, सुरेन्द्र सिंह, बालम सिंह, उदय सिंह, लक्ष्मण सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। (एजेंसी)

चमोली में विकसित भारत संकल्प यात्रा शुरू

डीएम ने डिजिटल रथों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जयन्त प्रतिनिधि।चमोली : विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत बुधवार को जिलाधिकारी हिमांशु खुराना एवं नगर पालिका अध्यक्ष पुष्पा पासवान ने कलेक्ट्रेट परिसर से डिजिटल प्रचार वाहनों को विकासखंड पोखरी, नारायणबगड और जोशीमठ ब्लाक के लिए रवाना किया।

जिलाधिकारी ने कहा कि यात्रा का मकसद केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना और पात्र लोगों को योजनाओं से आच्छादित करना है। यात्रा के सफल संचालन को लेकर जिले से लेकर ब्लाक, न्याय पंचायत एवं ग्राम पंचायत स्तर तक अफसरों को जिम्मेदारी दी गई है। जनपद चमोली में विकसित भारत यात्रा 23 नवंबर से शुरू की गई, जो आगामी 26 जनवरी तक संचालित की

जाएगी। रथ यात्रा के जरिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में महत्वपूर्ण जानकारी एवं योजनाओं का लाभ लेने के लिए लोगों को प्रेरित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि डिजिटल रथ जनपद के सभी 610 ग्राम पंचायत का भ्रमण करेंगे। जनपद की सभी 39 न्याय पंचायतों में स्वास्थ्य एवं बहुउद्देशीय शिविर लगाए जाएंगे। रथ यात्रा के दौरान केन्द्र और राज्य सरकारी की योजनाओं से वंचित लाभार्थियों को चिन्हित करते हुए मौके पर ही उनका आवेदन लेकर लाभान्वित किया जाएगा। इस अवसर परियोजना निदेशक आनंद सिंह, मुख्य कृषि अधिकारी वीपी मौर्य, मुख्य उद्यान अधिकारी तेजपाल सिंह, प्रभारी सहायक निदेशक मत्स्य जगदंबा सहित रेखीय विभागों के तमाम अधिकारी उपस्थित थे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में उसका नाम अराध्या रावत गलत दर्ज हो गया है। जबकि मेरी पुत्री का सही व वास्तविक नाम शिवाली रावत (SHIVALI RAWAT) है। मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में उसका सही व वास्तविक नाम शिवाली रावत (SHIVALI RAWAT) अंकित कर जन्म प्रमाण प्रत्र निर्गत किया जाय।

समीर रावत पुत्र श्री सत्यपाल सिंह रावत निवासी पदमपुर, पट्टी सुखरौ, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

देव कृपा और सभी सहयोग से सफल रहा रेस्क्यू : अग्रवाल

नई टिहरी : कैबिनेट और टिहरी के प्रभारी मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल के चिन्यालीसौड़ से लौटने पर चंबा में भाजपा कार्यकर्ताओं से उनका स्वागत कर श्रमिकों के सकुशल बाहर निकलने पर बधाई दी। सफल रेस्क्यू के लिए मंत्री अग्रवाल ने आराध्य देवता बौखनाग सहित सभी के सहयोग के लिए आभार जताया। बुधवार को चंबा बाजार में स्वागत के दौरान प्रभारी मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने बताया कि सभी 41 श्रमिक सकुशल हैं। उनका स्वास्थ्य बेहतर है। कहा कि श्रमिकों द्वारा 17 दिन तक धैर्य धारण करना हिम्मत की बात है, जिसके लिए श्रमिकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विशेष आभार व्यक्त किया। साथ ही राज्य की पुष्कर सिंह धामी जी की सरकार को भी साधुवाद दिया। प्रभारी मंत्री डा अग्रवाल ने बताया कि वह स्वयं प्रभारी मंत्री होने के नाते उत्तरकाशी में ही कैंप किए हुए थे। प्रभारी मंत्री ने श्रमिकों से बातचीत के दौरान उनके 17 दिनों के अनुभव भी साझा हुए। उन्होंने कहा कि मुश्किल दौर में वह तमाम साथी बधाई के पात्र हैं, जिन्होंने अपना-अपना योगदान श्रमिकों के सकुशल बाहर निकलने में दिया। प्रभारी मंत्री ने बताया कि श्रमिकों से देर रात्रि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने ऑडियो के जरिए वार्ता की। प्रभारी मंत्री ने प्रधानमंत्री सहित मुख्यमंत्री का विशेष आभार प्रकट किया। इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष चंबा संदीप रावत, सुशील बहुगुणा, महामंत्री सुधीर बहुगुणा, विक्रम राणा, कुशालानंद रणाकोटी, सभासद विक्रम चौहान, कृष्ण कोठारी, रानी नेगी, अनिता कोठारी, रविंद्र चौहान, वीरेंद्र सेमवाल आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

लोनिवि घनसाली ने शत प्रतिशत पूरा किया सड़कों पर डामरीकरण कार्य

नई टिहरी : प्रदेश की सड़कों को गड्ढे मुक्त करने को लेकर मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद घनसाली लोक निर्माण विभाग ने सड़कों पर डामरीकरण कर गढ्ढे मुक्त का लक्ष्य पूरा कर दिया है।

भिलंगना क्षेत्र सहित चार धाम व विभिन्न गांवों को जोड़ने वाली सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के लिये लोक निर्माण विभाग लगातार कार्य कर रहा हैं। विभाग ने चार धाम यात्रा का मुख्य मोटरमार्ग उत्तरकाशी-लंबगांव-घनसाली-तिलवाड़ा 62 किमी. मोटरमार्ग, छतियारा खवाड़ा मोटर मार्ग पर हाटमिक्स से डामरीकरण, घनसाली-जाखधार मोटरमार्ग पर डामरीकरण मरम्मत कार्य पूर्ण कर दिया। तो वहीं ग्रामीण सड़क विनयखाल-भिगुन मोटरमार्ग पर पैच कार्य घनसाली-घुत्तु मार्ग, घनसाली-अखोड़ी मार्ग पर पैच मरम्मत कार्य पूर्ण कर दिया गया है। लोक निर्माण विभाग के अधीशासी अभियन्ता दिनेश चन्द्र नौटियाल ने बताया कि, इस वित्तीय वर्ष में 170 किमी. सड़कों का लक्ष्य रखा गया था, जिसमें 160 किमी. सड़क का कार्य पूर्ण कर दिया हैं। उन्होंने कहा कि 30 नवम्बर तक घनसाली की सभी सड़कों को गड्ढे मुक्त कर दिया जायेगा। वहीं विधायक शक्ति लाल शाह ने कहा कि, हमारा पहला उद्देश्य हर गांव को सड़क से जोड़ना था जो कि लगभग पूरा हो चुका है और अब हर सड़क का डामरीकरण और अन्य विकास कार्यों पर तेजी से कार्य किया जाएगा। बताया कि, इस वर्ष बरसात में भारी बारिश से लाटा के पास आपदा से भारी नुक़सान और सड़क क्षतिग्रस्त हो गई थी, जबकि छतियारा में गदेरा उफान में होने से एक छात्रा बह गई थी। जिसे लेकर लोनिवि को स्टीमेट बनाने के निर्देश दिए थे। हाल ही में 60 लाख की धनराशि स्वीकृत हो चुकी है। उन्होंने लोनिवि की ओर से अपना लक्ष्य पूरा करने पर खुशी जताई है। (एजेंसी)

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद, भारत के राष्ट्रपति की ओर से इच्छुक व्यक्तियों से जनसाधारण टिकट बुकिंग सेवक हेतु आवेदन पत्र महत्वपूर्ण शहरों के विभिन्न भागों में जे०टी०बी०एस० के चयन हेतु आवेदन आमंत्रित करते हैं।

मुरादाबाद मण्डल के निम्नलिखित स्टेशनों के लिए जनसाधारण टिकट बुकिंग सेवा हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं:– बरेली–16, हरिद्वार–15, देहरादून–10, मुरादाबाद–15, हापुड़–14, शाहजहाँपुर–13, हरदोई–9, चंदौसी–10, रूड़की–10, रामपुर–18, ऋषिकेश–5, नजीबाबाद–5, लक्सर– 5, अमरोहा–10, रायवाला–2, पिलखुवा–3, संडीला–2, गजरौला–5, धामपुर–2, चांदपुर स्याऊ–2, ज्वालापुर–1, सीतापुर सिटी–1, पीताम्बरपुर–2, राजा का सहसपुर–2, तिलहर–2, कोटद्वार–5, बुलन्दशहर–2, बबराला–2, बिजनौर–3, नगीना–2, गढ़मुक्तेश्वर–2, स्योहरा–2, रोजा–2, कांठ–2, हल्दौर–2, मोतीचूर–2, मौज्जमपुर नारायण–2, कटघर–2, माधौगंज–2, बांगरमऊ–2, खुर्जा सिटी–2, मंडीधनौरा–2, दबतरा–2, ऑझीशाहबाद–2, राजघाट नरौरा–2, आसफपुर–2, बिशारतगंज–2, मल्लावां–2, अतरौली रोड–2, डिबाई–2, हकीमपुर–2, नैमिषारण्य–2, आँवला–1

कार्यकाल	3 वर्ष
आवेदनपत्र का मूल्य	प्रत्येक स्टेशन के लिए आवेदन पत्र का मूल्य ₹295/-
स्थान का नाम व पता जहां से आवेदन पत्र प्राप्त किये जायेंगे	वाणिज्य शाखा, मंडल रेलप्रबंधक कार्यालय, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद
आवेदन पत्र जमा करने का समय एवं तिथि तथा आवेदन खुलने की तिथि एवं समय	आवेदन फॉर्म को जमा करने की तिथि 28.12.2023 खुलने की तिथि उसी दिन 15:00 बजे से
रेलवे की वेबसाइट का नाम जिसमें पूर्ण नियम व शर्तें तथा आवेदन का प्रारूप पत्र पर देखा व डाउनलोड किया जा सके	**www.nr.indianrailways.gov.in** प्रवर मंडल वाणिज्य प्रबंधक उ०रे० मुरादाबाद का कार्यालय का सूचना पट

निविदा सूचना संख्याः 1–जे०टी०बी०एस०–पॉलिसी–2008–पार्ट–II दिनांक 28.11.2023 **3744/2023**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सम्पादकीय

नया मुखिया, नई चुनौतियां

उत्तराखंड पुलिस में महानिदेशक के तौर पर तैनात रहे वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी अशोक कुमार का कार्यकाल समाप्त हो गया है और फिलहाल राज्य में पुलिस विभाग का नया मुखिया कार्यवाहक व्यवस्था के तौर पर तैनात किया गया है। पुलिस महानिदेशक की दौड़ में यूं तो कई वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी दौड़ में थे लेकिन नए मुखिया के लिए उत्तर प्रदेश कैडर के अभिनव कुमार को फिलहाल यह जिम्मेदारी दी गई है। उत्तराखंड एक छोटा राज्य है लेकिन इसकी विषम परिस्थितियों कई मायनों में हर विभाग अध्यक्ष के लिए कई बड़ी चुनौतियों के रूप में सामने आती है। खास तौर पर उत्तराखंड जैसे राज्य में पुलिस मुखिया का दायित्व निभाना कोई आसान काम नहीं है क्योंकि यहां जहां एक तरफ अपराधों से जूझने की शक्ति दिखानी पड़ती है तो वहीं भौगोलिक परिस्थितियों आपदा जैसी प्राकृतिक विपदाएं लेकर भी आती हैं। विभिन्न परिस्थितियों के दौरान सही निर्णय लेने का होना किसी भी विभाग के मुखिया के पास होना चाहिए। अपने कार्यकाल में पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने पुलिस बल को न केवल धार्मिक व राजनैतिक आयोजनों बल्कि आपदा तथा अन्य अवसरों पर बखूबी आपसी समन्वयी के साथ सफलता पूर्वक पूरा किया। पिछले कुछ वर्षों में आपराधिक घटनाओं ने उत्तराखंड को सुर्खियों में रखा, जिसमें अंकित हत्याकांड हो या फिर साइबर क्राइम से जुड़े हुए मामले डीजीपी अशोक कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने अपने कार्य को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। हालांकि कई अवसरों पर पुलिस की कार्यशैली को लेकर सवाल भी खड़े हुए और राजनीतिकरण ने पुलिस को दबाव में लाने का भी प्रयास किया लेकिन कहीं ना कहीं पुलिस हर अवसर पर खुद को दबाव मुक्त करते हुए अंजाम तक पहुंची। उत्तराखंड के पुलिस मुखिया के तौर पर यूं तो काफी समय से जुगत चल रही थी और कई प्रकार की चर्चाएं भी सुर्खियां बटोर रही थी। नव नियुक्त किए गए "कार्यवाहक" डीजीपी अभिनव कुमार भले ही बाजी मार ले गए हो लेकिन कहीं ना कहीं उनसे वरिष्ठ दूसरे आईपीएस अधिकारी अभी भी एक स्थाई डीजीपी की नियुक्ति को लेकर उम्मीद बांधे हुए हैं। निश्चित तौर पर कार्यवाहक डीजीपी अभिनव कुमार का पूर्व कार्यकाल विभिन्न जनपदों एवं विभिन्न पदों पर यादगार रहा है। छात्रों के जुलूस को नियंत्रित करने से लेकर जनपदों में कप्तान रहने के दौरान अपराध उन्मूलन को लेकर उनका तेज तर्रार रवैया कानून व्यवस्था को पटरी पर लाने में कामयाब रहा है। प्रशासनिक पद पर भी शासन ने उन पर पूर्व में भरोसा जताया है और कहीं ना कहीं इसका लाभ भी उन्हें मिला है। सेवानिवृत हो रहे पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार को आम जनता के लिए काफी सहज सुलभ एवं मिलनसार माना जाता रहा है और अपने कार्यकाल के दौरान हुए आमजन की शिकायतों को लेकर बेहद सरलता से उपलब्ध रहे हैं। अधीनस्थ कर्मचारियों को लेकर भी उनका उदार स्वभाव देखने को मिला है। नए मुखिया के आगे यह चुनौती होगी कि वह अब अपने नए कार्यकाल में विभाग को किस दिशा में ले जाते हैं और उत्तराखंड में अपराध उन्मूलन के लिए किस प्रकार की कार्यशैली और नीति पर कार्य करते हैं? विभाग में अपने से वरिष्ठ अधिकारी होने के बावजूद उन्हें महत्वपूर्ण दायित्व मिलने के बाद आपसी समन्वय बनाने की बड़ी जिम्मेदारी भी उन पर होगी।

केजरीवाल के सामने राजनीतिक संकट

अजीत द्विवेदी

आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल देश भर में चुनाव लड़ते और हारते रहे हैं लेकिन यह उनकी राजनीति का हिस्सा होता है। इससे उनके लिए राजनीतिक मुश्किल खड़ी नहीं होती है, बल्कि कुछ न कुछ फायदा ही होता है। उनकी पार्टी का विस्तार होता है और नए लोग जुड़ते हैं। इसी राजनीति में उन्होंने दो राज्यों–दिल्ली और पंजाब में सरकार बना ली और दो राज्यों– गुजरात व गोवा में इतना वोट हासिल कर लिया कि उनकी पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिल गया। इतना सब होने के बावजूद अब उनकी राजनीतिक राह मुश्किल हो रही है। उनकी अपनी गलतियों और कामकाज की कमियों के अलावा देश की राजनीति कुछ इस तरह से बदली है कि उनके लिए आगे की राह मुश्किल हो गई है। इसके दो–तीन कारण हैं। पहला कारण तो उनके प्रति बनी धारणा का टूटना है। दूसरा कारण यह है कि उनका रामबाण एजेंडा अब सभी पार्टियों ने अपना लिया है। और तीसरा कारण यह है कि जिस कांग्रेस को रिप्लेस करके उसकी जगह लेने की राजनीति वे कर रहे थे वह कांग्रेस मजबूत होने लगी है।

केजरीवाल ने पहले दिल्ली में कांग्रेस की जगह ली। इसके बाद पंजाब में कांग्रेस को रिप्लेस किया। उसके बाद गुजरात में कांग्रेस के वोट में सेंध लगा कर उसको कमजोर किया। गोवा में भी उनकी पार्टी के चुनाव लडने और छह फीसदी से ज्यादा वोट लेने का सीधा नुकसान कांग्रेस को हुआ था। ऐसा इसलिए हो रहा था क्योंकि भाजपा और नरेंद्र मोदी के निरंतर प्रचार से कांग्रेस के प्रति आम लोगों में नकारात्मक धारणा बनी थी। इसका लाभ भाजपा के साथ साथ अरविंद केजरीवाल की पार्टी को भी मिल रहा था। पिछले नौ साल में कांग्रेस जितनी कमजोर हुई उसी अनुपात में आम आदमी पार्टी मजबूत हुई है। लेकिन अब स्थितियां बदल गई हैं। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ने उनके प्रति आम लोगों की धारणा बदली है और उसके बाद हिमाचल प्रदेश व कर्नाटक में कांग्रेस की जीत ने कांग्रेस को वापस मुकाबले में ला दिया है। अब भाजपा के लिए भी कांग्रेस चुनौती है तो आम आदमी पार्टी के लिए भी है।

केजरीवाल ने अपनी राजनीति पोस्ट ऑइडियोलॉजी पार्टी के तौर पर की थी। उनकी पार्टी की विचारधारा राजनीति की टेक्स्ट बुक परिभाषा से मैच नहीं करती है। तभी उन्होंने दक्षिणपंथ की ओर रूझान दिखाते हुए गवर्नेंस को अपनी पार्टी का एकमात्र एजेंडा बनाया। गवर्नेंस से उनका मतलब सिर्फ इतना है कि वे सरकारी खजाने से कुछ पैसा निकाल कर एक निश्चित मतदाता समूह को ढेर सारी चीजें और सेवाएं मुफ्त में देंगे। उन्होंने दिल्ली में इस दांव को

बहुत अच्छे तरीके से आजमाया। निचले तबके और निम्न मध्य वर्ग के लिए पानी, बिजली फ्री कर दिया। मुफ्त वाई–फाई और महिलाओं को बसों में मुफ्त की यात्रा शुरू कराई। स्कूलों और अस्पतालों का रंग–रोगन करके प्रचार के जरिए यह धारणा बनाई कि कायाकल्प कर दिया। झुग्गियों में अवैध निर्माण की खुली छूट दे दी और दिल्ली में कहीं भी रेहड़ी–पटरी लगाने का रास्ता खोल दिया।

मुश्किल यह कि अब सभी पार्टियों ने इस दांव को अपना लिया है। अब कांग्रेस और भाजपा जैसी पार्टियां भी चुनाव में दिल खोल कर मुफ्त में वस्तुएं और सेवाएं बांटने का ऐलान करती हैं। केजरीवाल ने पंजाब में मुफ्त बिजली, पानी के साथ साथ महिलाओं को एक एक हजार रुपए देने का वादा किया था अब कांग्रेस डेढ़ से ढाई हजार रुपए तक महिलाओं को देने का ऐलान कर चुकी। मध्य प्रदेश में डेढ़ हजार तो तेलंगाना में ढाई हजार रुपए नकद देने की घोषणा हुई है। इसके अलावा मुफ्त अनाज, मुफ्त बिजली, पानी, मुफ्त बस यात्रा, स्कूटी, लैपटॉप, स्मार्ट फोन आदि सब कुछ मुफ्त में बांटने का ऐलान किया जा रहा है। सो, केजरीवाल की एक्सक्लूसिविटी खत्म हो गई। जब सारी पार्टियां उनका राजनीतिक दांव अपना रही थीं तो वे अपने लिए कोई नया दांव नहीं सोच पाए।

उलटे दिल्ली और पंजाब में उनके कामकाज की पोल खुल गई। उन्होंने दिल्ली की हवा और पानी की सफाई का वादा किया था। अपने कामकाज के पहले सात साल तक वे यह बहाना बनाते रहे कि पंजाब में अकाली दल और कांग्रेस की सरकारें पराली जलाना नहीं रोक पाईं इसलिए दिल्ली में प्रदूषण बढ़ रहा है और वे कुछ नहीं कर पा रहे हैं। लेकिन 2022 में उनकी पार्टी की पंजाब में सरकार बन गई और उसके बाद लगातार दूसरी सर्दियां आ गई हैं, फिर भी दिल्ली में प्रदूषण कम नहीं हुआ। पंजाब में पराली जलाए जाने से दिल्ली में लगातार दूसरे नवंबर में लोगों का सांस लेना दूभर हुआ। सुप्रीम कोर्ट ने इसे लेकर दिल्ली और पंजाब सरकार को फटकार लगाई तो वे हरियाणा और उत्तर प्रदेश पर दोष मढने लगे। इसी तरह यमुना की सफाई के मामले में भी उनके वादों की पोल खुली। इस साल भी छठ के मौके पर यमुना पहले की तरह प्रदूषित रही और लोगों ने झाग वाले पानी में खड़े होकर पूजा की। दिल्ली में वायु प्रदूषण बढने पर सोशल मीडिया में यह मीम बहुत लोकप्रिय हुआ कि आठ साल पहले जब केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री बने थे तो वे खांस रहे थे और दिल्ली के लोग ठीक थे, आज दिल्ली के लोग खांस रहे हैं और केजरीवाल का मफलर गायब हो गया है। स्कूलों में पढ़ाई लिखाई और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता की भी पोल खुल गई है।

इस बीच धारणा के स्तर पर भी उनको बड़ा झटका लगा है। उन्होंने खुद अपने बारे में दो तरह की धारणा बनाई थी। पहली यह कि वे और उनकी पार्टी कट्टर ईमानदार पार्टी हैं और दूसरी यह कि वे आम आदमी की तरह रहने वाले हैं। ये दोनों धारणाएं चकनाचूर हो गई हैं। दिल्ली की शराब नीति घोटाले में जांच की आंच उन तक पहुंची है। उनके उप मुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया गिरफ्तार होकर आठ महीने से ज्यादा समय से जेल में हैं और अक्टूबर के पहले हफ्ते में उनके राज्यसभा सांसद संजय सिंह भी गिरफ्तार हो गए। उसके बाद प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने उनको भी नोटिस जारी किया। ईडी की नोटिस के बाद केजरीवाल ने एक बार फिर काठ की हांडी चुल्हे पर चढ़ाने की कोशिश की लेकिन कामयाबी नहीं मिल रही है। वे दिल्ली में जनमत संग्रह करा रहे हैं कि अगर ईडी उनको गिरफ्तार करती है तो उनको मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना चाहिए या नहीं? हालांकि उनकी पार्टी पहले बैठक करके ऐलान कर चुकी है कि वे गिरफ्तार हुए तब भी मुख्यमंत्री बने रहेंगे और तिहाड़ जेल से ही सरकार चलाएंगे। फिर घर घर जाकर लोगों से पूछने की नौटंकी का ज्यादा असर नहीं हो रहा है।दूसरी धारणा आम आदमी होने की थी, जो 50 करोड़ रुपए में घर का रेनोवेशन कराने की खबरों ने तोड़ दिया। केजरीवाल ने ऐलान किया था कि उनकी पार्टी के नेता बंगलों में नहीं रहेंगे, बड़ी गाडियों में नहीं चलेगें, सुरक्षा नहीं लेंगे लेकिन दो छोटे छोटे राज्यों में सरकार बनाते ही केजरीवाल का असली चेहरा सामने आ गया। उन्होंने कई बंगलों को मिला कर अपने लिए एक बंगला बनाया, जिसके रेनोवेशन पर करीब 50 करोड़ रुपए खर्च होने की खबर आई है, जिसकी जांच हो रही है। वे भारी भरकम सुरक्षा में चलते हैं और जब दिल्ली की सडकों पर निकलते हैं तो उनके लिए रूट लगता है। उनके सारे मंत्री बड़े बंगलों में रहते हैं। पहली बार के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा इस बात की जी–तोड़ लड़ाई लड़ रहे हैं कि उनको टाइप सात के बंगले में ही रहना है।

पड़ोस नीति का पेच

कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में तरजीह राष्ट्र हित को दी जानी चाहिए। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई उभरती परिस्थितियों के कारण अफगानिस्तान एक ऐसा देश बना हुआ है, जहां भारत को लगातार अपना अधिकतम प्रभाव बनाए रखने की कोशिश में जुटे रहना चाहिए।

नई दिल्ली स्थित अफगानिस्तान दूतावास के अधिकारी जब पिछले 30 सितंबर को यहां से चले गए, तब उसके बाद भारत सरकार के पास लगभग आठ हफ्तों का वक्त था, जिस दौरान वह देश में अफगानिस्तान की राजनयिक उपस्थिति को सुनिश्चित कर सकती थी। लेकिन अब यह साफ है कि ऐसा करने में भारत सरकार ने दिलचस्पी नहीं ली। नतीजतन, बीते शुक्रवार को अफगान दूतावास स्थायी रूप से बंद हो गया। दूतावास ने "भारत सरकार की ओर से आ रहीं चुनौतियों" का हवाला देते हुए अपना काम–काज बंद करने का एलान किया है। इसके पहले बीते 30 सितंबर को दूतावास ने भारत सरकार से समर्थन न मिलने, अफगानिस्तान के हितों को

नई दिल्ली स्थित अफगानिस्तान दूतावास के अधिकारी जब पिछले 30 सितंबर को यहां से चले गए, तब उसके बाद भारत सरकार के पास लगभग आठ हफ्तों का वक्त था, जिस दौरान वह देश में अफगानिस्तान की राजनयिक उपस्थिति को सुनिश्चित कर सकती थी। लेकिन अब यह साफ है कि ऐसा करने में भारत सरकार ने दिलचस्पी नहीं ली। नतीजतन, बीते शुक्रवार को अफगान दूतावास स्थायी रूप से बंद हो गया। दूतावास ने "भारत सरकार की ओर से आ रहीं चुनौतियों" का हवाला देते हुए अपना काम–काज बंद करने का एलान किया है।

पूरा करने में अपेक्षाओं पर खरा न उतर पाने, और कर्मियों एवं संसाधनों की कमी के कारण कामकाज अस्थायी रूप से रोकने की बात कही थी। साफ है, अगस्त 2021 में काबुल पर तालिबान के काबिज होने के बाद अफगानिस्तान और भारत के बीच पैदा हुई खाई को भरने की कोशिश दोनों में से किसी पक्ष ने नहीं की। अगस्त 2021 के घटनाक्रम को भारत सरकार ने इस क्षेत्र के लिए एक जोखिम के रूप में चित्रित किया था। निरपेक्ष रूप से देखा जाए, तो यह एक सही समझ है। लेकिन एक दूसरी समझ यह है कि कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में तरजीह राष्ट्र हित को दी जानी चाहिए। अपनी भू–राजनीतिक स्थिति और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई उभरती परिस्थितियों के कारण अफगानिस्तान एक ऐसा देश बना हुआ है, जहां भारत को लगातार अधिकतम प्रभाव बनाए रखने की कोशिश में जुटे रहना चाहिए। बीते एक साल में अफगान सरकार और पाकिस्तान के बीच संबंध जिस हद तक बिगड़े हैं, संभव है कि उसे भारत के नजरिए से एक सकारात्मक घटना के रूप में देखा जाए। गौरतलब है, चीन ने भी हालांकि तालिबान सरकार को मान्यता नहीं दी है, लेकिन वह लगातार उससे संपर्क बढ़ाता चला गया है। बात अफगानिस्तान को बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव परियोजना में शामिल करने तक पहुंच गई है। ऐसे में यह एक पेचीदा, लेकिन विचारणीय प्रश्न है कि अफगानिस्तान से बचा–खुचा कूटनीतिक संपर्क भी टूट जाना क्या भारत के हित में है?

मुंबई में गैस सिलेंडर फटने से बड़ा हादसा : 5 मकान ध्वस्त, 11 को सुरक्षित बाहर निकाला, कइयों के दबे होने की आशंका

मुंबई ,एजेंसी। मुंबई के चेंबूर इलाके में बुधवार सुबह एक मकान में गैस सिलेंडर में विस्फोट के बाद पांच मकान ध्वस्त हो गए, जिसके बाद 11 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। नगर निगम के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि घटना में कुछ लोग घायल हुए हैं। हालांकि उन्होंने घायलों की वास्तविक संख्या नहीं बताई। घटना चेंबूर इलाके में गोल्फ क्लब के निकट ओल्ड बैरक में सुबह 7 बजकर 50 मिनट पर घटी। निगम के एक अधिकारी ने बताया कि एक मकान में गैस सिलेंडर विस्फोट हुआ जिसके चलते चार से पांच दो मंजिला मकान ध्वस्त हो गए। अधिकारी ने बताया कि ध्वस्त मकानों से 11 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और अब तक चार लोगों को गोवंडी में नगर निगम संचालित शताब्दी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटनास्थल पर दमकल की पांच गाडियों, पुलिस, नगर निगम के कर्मियों, एंबुलेंस सेवा और अन्य एजेंसियों को भेजा गया है।

वरिष्ठ आईएएस अफसर अटल डुल्लू होंगे जम्मू–कश्मीर के नए मुख्य सचिव

श्रीनगर ,एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 1989 बैच के आईएएस अधिकारी अटल डुल्लू को मौजूदा ए.के. मेहता की सेवानिवृत्ति के बाद जम्मू–कश्मीर का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया है।

मंत्रालय द्वारा बुधवार को जारी एक आदेश में कहा गया है, 30–11–2023 को ए.के. मेहता आईएएस (एजीएमयूटी:1988) की सेवानिवृत्ति और केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से प्रत्यावर्तन के परिणामस्वरूप, अटल डुल्लू आईएएस (एजीएमयूटी:1988) को जम्मू और कश्मीर का मुख्य सचिव नियुक्त किया जाता है। उनका कार्यकाल 01–12–2023 से या कार्यभार संभालने की तारीख से, जो भी बाद में हो और अगले आदेश तक, लागू होगा।अपनी ईमानदारी और अनुशासन के लिए जाने जाने वाले डुल्लू ने पहले जम्मू–कश्मीर में विभिन्न पदों पर सफलतापूर्वक काम किया है।

चलती ट्रेन में अचानक एक साथ बिगड़ी 80 लोगों की तबीयत, भारत गौरव एक्सप्रेस में यात्रियों को खिलाया जहर!

मुंबई ,एजेंसी। महाराष्ट्र के पुणे रेलवे स्टेशन से बड़ी खबर सामने आई है। चैन्नई से पुणे आ रही भारत गौरव ट्रेन के 80 यात्रियों की तबीयत अचानक खराब हो गई। ऐसे में ट्रेन जैसे ही पुणे पहुंची तो सभी यात्रियों का इलाज कराया गया। जानकारी के अनुसार कुछ जहरखुरानों ने इन यात्रियों को अपना शिकार बनाया है। यात्रियों के पुणे पहुंचने के बाद उन्हें एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने जांच में पाया कि सभी यात्रियों की हालत फिलहाल स्थिर है।

पुणे रेलवे प्रशासन ने बताया कि जब ट्रेन पुणे पहुंची तो एक साथ 80 यात्रियों की तबीयत खराब होने का मामला सामने आया। जिसके बाद स्टेशन पर प्राथमिक उपचार देकर उन्हें ससून अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल यहां सभी की हालत स्थिर बताई जा रही है। शुरुआती जानकारी के अनुसार ट्रेन में कुछ युवकों ने उन्हें जहरखुरानी का शिकार बनाया है। फिलहाल रेलवे मामले की जांच कर रहा है।

सहारनपुर में 65 वर्षीय बुजुर्ग किसान की गोली मारकर हत्या

सहारनपुर ,एजेंसी। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले के नागल थाना इलाके में अज्ञात लोगों ने एक 65 वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी।पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी बुधवार को दी। मृतक की पहचान गांव सोहनचिड़ा निवासी हाफिज सईद (65) के रूप में हुई है।

भारतीयों का विदेशी प्यार: 2023 में 1.40 लाख से अधिक छात्रों को मिला अमेरिका का वीजा

न्यूयॉर्क, एजेंसी।। अमेरिकी विदेश विभाग ने घोषणा की कि भारत में अमेरिकी दूतावास और वाणिज्य दूतावास ने अक्टूबर 2022 से सितंबर 2023 तक एक लाख 40 हजार से अधिक छात्र वीजा जारी किए हैं।

विभाग ने कहा कि अमेरिकी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में अंतर्राष्ट्रीय छात्र देश की अर्थव्यवस्था में सालाना 38 अरब डॉलर तक योगदान देते हैं। सितंबर 2023 तक एक साल में छह लाख से अधिक छात्र वीजा जारी किए गए जो वित्त वर्ष 2017 के बाद से सबसे अधिक है। जून–अगस्त 2023 के मुख्य छात्र वीज़ा सीजन् के दौरान, भारत भर में कांसुलर अधिकारियों ने एफ, एम और जे श्रेणियों में 95,269 वीज़ा जारी किए। यह इसी समय सीमा के दौरान 2022 की तुलना में 18 प्रतिशत की वृद्धि है।

ओपन डोर्स रिपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार, 2009/10 के बाद पहली बार भारत अमेरिका में अंतर्राष्ट्रीय स्नातक छात्रों के दाखिले के मामले में चीन से आगे

निकल गया। भारतीय स्नातक छात्रों की संख्या 63 प्रतिशत बढ़कर 1,65,936 हो गई। यह पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 64 हजार छात्रों की वृद्धि है जबकि भारतीय स्नातक छात्रों की संख्या में भी 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

2023 के संघीय वित्तीय वर्ष में विदेश विभाग ने लगभग रिकॉर्ड स्तर पर गैर–आप्रवासी वीज़ा जारी किए वैश्विक स्तर पर एक करोड़ से अधिक, और आधे अमेरिकी दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों ने पहले से कहीं अधिक गैर–आप्रवासी वीज़ा जारी किए। बयान में कहा गया है कि इसके अतिरिक्त, अमेरिकी दूतावास ने व्यापार और पर्यटन के लिए लगभग 80 लाख आगंतुक वीजा जारी किए, जो 2015 के बाद से किसी भी वित्तीय वर्ष की तुलना में अधिक है। अंतर्राष्ट्रीय आगंतुकों ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था में 239 अरब डॉलर का योगदान दिया और अनुमानित 95 लाख अमेरिकी नौकरियों में मदद दी। विभाग ने कहा कि अस्थायी और मौसमी श्रमिकों को रिकॉर्ड तोड़ चार लाख 42 हजार वीजा जारी किए गए, जिससे कृषि और अन्य क्षेत्रों में श्रमिकों की आवश्यकता को संबोधित किया गया, जहां बहुत कम अमेरिकी श्रमिक उपलब्ध हैं।

भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि भारत से वीजा जारी करने के लिए प्रतीक्षा समय को कम करने के लिए अमेरिका कर्मचारियों की संख्या बढ़ा रहा है और नए वाणिज्य दूतावास खोल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि दूतावास के चालू कैलेंडर वर्ष में सामान्य से 10–15 प्रतिशत अधिक वीजा जारी करने की संभावना है, और हाल के सप्ताहों में भारत में जारी किए गए वीजा की संख्या भी एक तिहाई बढ़ गई है।

बिहार में दो नाबालिगों के यौन उत्पीडन के आरोप में स्कूल कैब ड्राइवर गिरफ्तार

पटना ,एजेंसी। बिहार के बेगुसराय जिले में पुलिस ने दो पांच वर्षीय लड़कियों के यौन उत्पीडन् के आरोप में एक स्कूल कैब ड्राइवर को गिरफ्तार किया है। घटना बेगुसराय के वीरपुर थाना अंतर्गत एक गांव की है। आरोपी ने दो लड़कियों को एक निजी स्कूल से घर छोडने् के लिए ले जाने के बाद वारदात को अंजाम दिया।

रास्ते में आरोपी ने सुनसान जगह पर गाड़ी रोककर उनके साथ दुष्कर्म किया। उसने यौन उत्पीडन् की वीडियो क्लिप भी बनाई और घटना के बारे में किसी को बताने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। अपराध को अंजाम देने के बाद कथित ड्राइवर ने दोनों लड़कियों को उनके घर छोड़ दिया।

पीड़ितों ने अपने माता–पिता को आपबीती बताई और जल्द ही लड़कियों में से एक के परिवार के सदस्य ने ड्राइवर का पीछा किया और उसे पकडने् में कामयाब रहे। इसके बाद उन्होंने आरोपी ड्राइवर को पुलिस के हवाले कर दिया। इस घटना से गांव में भारी आक्रेश फैल गया और हिंसक भीड़ ने स्कूल कैब को आग लगा दी।

पांच राज्यों में व्यस्त प्रचार कार्यक्रम के बाद राहुल चार दिवसीय दौरे पर केरल पहुंचे

नई दिल्ली ,एजेंसी। पांच राज्यों तेलंगाना, छत्तीसगढ़, राजस्थान, मध्य प्रदेश और मिजोरम में धुआंधार प्रचार अभियान के बाद कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी चार दिवसीय यात्रा पर अपने संसदीय क्षेत्र केरल के वायनाड पहुंचे हैं।

पार्टी नेताओं ने कहा कि बीती रात वायनाड पहुंचे गांधी एक दिसंबर तक वहां रहेंगे और कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।

तेलंगाना में चुनाव प्रचार के आखिरी दिन राहुल गांधी ने गिग श्रमिकों, स्वच्छता कर्मचारियों और ऑटो चालकों से बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने एक संयुक्त जनसभा को संबोधित करने के अलावा अपनी बहन और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ एक संयुक्त रोड शो भी किया। नेता 4 दिसंबर को संसद के शीतकालीन सत्र से तीन दिन पहले 1 दिसंबर की रात को दिल्ली लौटेंगे। पिछले 45 दिन में उन्होंने उन पांच चुनावी राज्यों में कई सार्वजनिक बैठकों को संबोधित किया। वोटों की गिनती 3 दिसंबर को होगी।

पूर्व केंद्रीय मंत्री जयंती नटराजन की मुश्किलें बढ़ीं, सीबीआई ने दाखिल की क्लोजर रिपोर्ट

नई दिल्ली ,एजेंसी। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने छह साल की जांच के बाद झारखंड में 2012 में एक स्टील प्लांट के लिए वन भूमि के डायवर्जन को लेकर पूर्व केंद्रीय पर्यावरण मंत्री जयंती नटराजन के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले में क्लोजर रिपोर्ट दायर की है। सीबीआई सूत्रों ने कहा कि एजेंसी ने पिछले सप्ताह एक विशेष अदालत के समक्ष क्लोजर रिपोर्ट दायर की, जिसमें कहा गया कि उसे अभियोजन आगे बढ़ाने के लिए मामले में पर्याप्त सबूत नहीं मिले।

सीबीआई ने इलेक्ट्रोस्टील कास्टिंग लिमिटेड (ईसीएल) के तत्कालीन प्रबंध निदेशक नटराजन, उमंग केजरीवाल और कंपनी के खिलाफ तीन साल की लंबी प्रारंभिक जांच के बाद 7 सितंबर 2017 को मामला दर्ज किया था, जो 2014 में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर दर्ज किया गया था। जांच एजेंसी ने पूछताछ के निष्कर्षों के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की, जिसमें कथित तौर पर पता चला कि ईसीएल ने 2004 में झारखंड में स्टील प्लांट स्थापित करने के लिए राज्य सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे।

सीबीआई ने आरोप लगाया है कि नटराजन ने मौजूदा खनन और पर्यावरण कानूनों और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का उल्लंघन करते हुए 2012 में कंपनी को खनन की मंजूरी दी थी। सीबीआई ने अपनी प्राथमिकी में कहा था, तत्कालीन पर्यावरण और वन राज्य मंत्री नटराजन ने ईसीएल (इलेक्ट्रोस्टील कास्टिंग लिमिटेड) को गैर–वानिकी उपयोग के लिए 55.79 हेक्टेयर वन भूमि के डायवर्जन की मंजूरी दी थी, हालांकि इसे पहले राज्य मंत्री ने खारिज कर दिया थाज् अस्वीकृति के बाद परिस्थितियों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

सीबीआई ने कहा कि वन सलाहकार समिति ने इस आधार पर प्रस्ताव को खारिज करने से पहले दो बार विचार किया कि प्रस्तावित खनन क्षेत्र सिंहभूम हाथी रिजर्व के मुख्य क्षेत्र का हिस्सा था और वन्यजीव संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण था। यह मामला 2012 में वन (संरक्षण अधिनियम) के कथित उल्लंघन में खनन कंपनी इलेक्ट्रोस्टील को झारखंड के सिंहभूम जिले के सारंडा जंगल में वन भूमि के डायवर्जन के लिए दी गई मंजूरी से संबंधित है।

इस संबंध में डीजी (वन) की सलाह और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन किए बिना मंजूरी दी गई थी। सूत्रों ने कहा कि विशेष अदालत अब यह तय करेगी कि क्या क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार किया जाए, जिसके परिणामस्वरूप पूर्व केंद्रीय मंत्री को क्लीन चिट दी गई है, या इसे खारिज कर दिया जाए और एजेंसी से आगे की जांच की मांग की जाए। भाजपा ने 2014 के लोकसभा चुनाव में भ्रष्टाचार और घोटालों के लिए तत्कालीन यूपीए–2 सरकार पर निशाना साधते हुए 'जयंती टैक्स' को चुनावी मुद्दा बनाया था।

सरकार की बड़ी कार्रवाई, 70 लाख मोबाइल नंबर किए बंद

नई दिल्ली ,एजेंसी। सरकार ने एक बड़ा एक्शन लेते हुए 70 लाख मोबाइल नंबर को सस्पेंड कर दिया है। यानी इन मोबाइल नंबर का इस्तेमाल पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। अब आपके जेहन में ही यही सवाल आ रहा होगा कि आखिर सरकार की ओर से यह कदम क्यों उठाया गया है। दरअसल, यह कदम बढ़ते डिजिटल फ्रॉड को देखते हुए उठाया गया है।

सस्पेंड किए गए ये वे मोबाइल नंबर थे जो किसी तरह के संदिग्ध लेन–देन से जुड़े थे। दरअसल, इस मामले को लेकर वित्तीय सेवा सचिव विवेक जोशी ने मंगलवार को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इंटरनेट के समय में डिजिटल पेमेंट को लेकर हो रही धोखाधड़ी को देखते हुए ऐसा किया गया है। बता दें, वित्तीय सेवा सचिव विवेक जोशी ने यह जानकारी डिजिटल पेमेंट को लेकर धोखाधड़ी और इससे जुड़े मुद्दों पर बैठक के बाद दी है।

जोशी ने कहा है कि डिजिटल फ्रॉड के बढ़ते मामलों को देखते हुए बैंकों को भी निर्देश दिए गए हैं। बैंकों को उनकी प्रक्रियाओं और प्रणालियों को पहले से मजबूत बनाने को कहा गया है। उन्होंने बैठक को लेकर जानकारी देते हुए कहा है कि इस मुद्दे पर आगे भी बैठकें होती रहेंगी। इसी के साथ मामले पर अगली बैठक अगले साल जनवरी में रखी गई है।

वित्तीय सेवा सचिव विवेक जोशी ने आधार सक्षम भुगतान प्रणाली (श्वक्रस्) धोखाधड़ी को लेकर कहा है कि राज्यों को इस मुद्दे पर ध्यान देने की जरूरत है। इसी के साथ राज्य सरकारों को डेटा सुरक्षा को भी मजबूत बनाने पर गौर देना चाहिए। विवेक जोशी ने कहा है कि डिजिटल धोखाधड़ी को लेकर जागरुकता बेहद जरूरी है। इस तरह की धोखाधड़ी पर लगाम लगाने के लिए जरूरी है कि समाज को इन मामलों से अवगत करवाया जाए और जागरुक किया जाए। मालूम हो कि हाल ही में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी साइबर धोखाधड़ी को लेकर समाज को जागरुक करने की बात पर जोर दिया था।

सरकार को कानून बनाने से नहीं रोक सकते राज्यपाल, केरल सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने दी प्रतिक्रिया

केरल ,एजेंसी। लंबित विधेयकों पर केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के खिलाफ केरल सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने आज सुनवाई की। शीर्ष अदालत ने कहा कि राज्यपाल राज्य सरकार को कानून बनाने से रोक नहीं सकते हैं।

बता दें कि कार्यवाही की शुरुआत के बाद से राज्यपाल आरिफ ने विधानसभा से पारित आठ में से एक लंबित विधेयक को मंजूरी दे दी है। वहीं, अन्य 7 विधेयकों को राष्ट्रपति द्वारा विचार के लिए आरक्षित किया गया है।

गरीबों को अगले 5 सालों तक मिलता रहेगा मुफ्त राशन, महिलाओं को दी जाएगी ड्रोन ट्रेनिंग; मोदी कैबिनेट ने दी मंजूरी

नई दिल्ली ,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार की आज कैबिनेट बैठक हुई। इस दौरान कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। इस दौरान गरीब कल्याण अन्न योजना को अगले पांच साल तक बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। यह योजना 1 जनवरी, 2024 से लागू होगी। इसके अलावा ड्रोन सखी योजना को भी मंजूरी दी गई है। इस योजना के तहत महिलाओं को ड्रोन उड़ाने की ट्रेनिंग दी जाएगी। ड्रोन के माध्यम से खेतों में पेस्टिसाईट का छिडक़ाव किया जाएगा।

ड्रोन उड़ाने वाली महिला को 15 हजार प्रति माह और सहयोगी को 10 हजार प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा। यह योजना 2026 तक जारी रहेगी और इसमें कुल खर्च 1261 करोड़ रुपये होंगे। इसके अलावा कैबिनेट की बैठक में 16वें वित्त आयोग को मंत्रिमंडल ने टर्म ऑफ रिफ्रेंस का अनुमोदन दिया। 2026 मार्च तक वर्तमान आयोग का कार्यकाल है। वहीं कैबिनेट बैठक में रेप और पॉस्को एक्ट के तहत फार्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट को 2026 तक जारी रखने की कैबिनेट ने सहमति दी है।

कैबिनेट के फैसले की जानकारी देते हुए सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि कोविड महामारी के दौरान पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना की शुरुआत की थी। सरकार ने इस योजना को एक जनवरी 2024 के बाद अगले पांच वर्षों तक के बढ़ाने का फैसला किया है।

शिवा थापा और अमित पंघाल ने जीत के साथ की शुरुआत

नई दिल्ली ,छह बार के एशियाई चैंपियनशिप पदक विजेता शिवा थापा (63.5 किग्रा) और 2019 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता अमित पंघाल (51 किग्रा) ने 7वीं एलीट पुरुष राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में तीसरे दिन विजयी नोट पर अपने अभियान की शुरुआत की।असम का प्रतिनिधित्व करते हुए शिवा ने अभिनाश जामवाल के खिलाफ दबदबे वाले अंदाज में शुरुआत की। लेकिन, जैसे-जैसे मुकाबला आगे बढ़ा हिमाचल प्रदेश के मुक्केबाज ने उल्लेखनीय वापसी की और रेफरी को प्रभावित करते हुए शिवा को प्रत्येक अंक के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी।

पूरे मुकाबले में कड़ी प्रतिस्पर्धा रही लेकिन अत्यधिक अनुभवी शिवा ने खेल के महत्वपूर्ण क्षणों में अपना संयम बनाए रखा और अपने प्रतिद्वंद्वी को 4-3 के विभाजित निर्णय से हरा दिया। अब मंगलवार को राउंड-16 के मुकाबले में उनका मुकाबला कर्नाटक के संतोष एचके से होगा।

अमित, जो एसएससीबी के लिए खेल रहे थे, महाराष्ट्र के शिवाजी के खिलाफ थे। हमेशा की तरह दृढ़ दिख रहे थे।अमित ने 5-0 की जीत के साथ मुकाबला समाप्त किया। अब राउंड 16 के मुकाबले में उनका मुकाबला मंगलवार को पंजाब के जयशंदीप सिंह से होगा।

हिमाचल प्रदेश के टोक्यो ओलंपियन आशीष कुमार (80 किग्रा) ने अपने प्रतिद्वंद्वी पंजाब के अर्शदीप सिंह को हराया। आशीष अपने खेल में शीर्ष पर थे और उन्होंने जीत हासिल करने के लिए कार्यवाही में अपना दबदबा बनाया। मंगलवार को राउंड-16 के मुकाबले में उनका मुकाबला चंडीगढ़ के नीतीश कुमार से होगा ।

एशियाई चैंपियनशिप 2022 के कांस्य पदक विजेता गोविंद साहनी (48 किग्रा) जो आरएसपीबी (रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड) के लिए खेल रहे हैं, त्रिपुरा के सायन लोध के लिए मजबूत साबित हुए। गोविंद ने आक्रामक रुख के साथ आगे बढना शुरू किया और अपने प्रतिद्वंद्वी को कोई मौका नहीं दिया।कुछ ही समय में गोविंद ने रेफरी के साथ मुकाबले के फैसले को पहले ही राउंड में रोककर खेल समाप्त कर दिया। अब राउंड 16 के मुकाबले में उनका मुकाबला मंगलवार को हिमाचल प्रदेश के विशाल से होगा।

रेस के दौरान जम गया प्राइवेट पार्ट, फिर जो हुआ... खिलाड़ी ने शेयर किया भयानक अनुभव

हेलसिंकी , फिनलैंड में वर्ल्ड कप में क्रॉस कंट्री रेस के दौरान एक खिलाड़ी का प्राइवेट पार्ट जम गया जिसके बाद उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्वीडिश स्कीयर केल हाफवरसन ने 20 किलोमीटर की रेस में हिस्सा लिया था। अपना अनुभव बताते हुए उन्होंने कहा कि रेस के दौरान उनका पेनिस जम गया और फिर उन्हें कैंप में शरण लेनी पड़ी। रॉयटर्स के मुताबिक फिनलैंड में तापमान -15 डिग्री से भी नीचे जा चुका है। हाफवरसन ने कहा, मेरा पेनिस एकदम जम गया था। इसके बाद 10 मिनट तक हमने इसे गर्म किया। मुझे काफी दिक्कत हुई। यह बहुत ही भयानक हो गया। हाफवरसन को पहले भी इस तरह की शिकायत हो चुकी है। उन्होंने कहा, शुक्रहै कि मेरे दो बच्चे हैं। वरना मैं जिस तरह के खेल में हूं, कुछ कहा नहीं जा सकता कि बच्चे करने लायक रहूं या नहीं। बता दें कि इस तरह की दिक्कत के बाद हाफवरसन रेस भी नहीं जीत पाए और पहले ही बाहर हो गए। इस स्पर्धा में नॉर्वे के जैन थॉमस पहले नंबर पर हे। दूसरे नंपर पर चेक रिपब्लिक के माइकल नोवाक और तीसरे पर ओस्टबर्ग अमंस्डन रहे। बता दें कि क्रॉस कंट्री स्कीयर आम तौर पर स्किन टाइट रेसिंग सूट पहनकर खेल में हिस्सा लेते हैं। इसके नीचे एक पतला अंडरलेयर होता है। साल 2022 में बीजिंग में होने वाले विंटर ओलंपिक के दौरान फिनलैंड के रेमी लेंडहोम को भी फ्रोजेन पेनिस की दिक्कत हुई थी। इसके बाद उन्होंने हीट पैक का इस्तेमाल किया। रुका में इन खेलों का आयोजन किया जा रहा है। यह ऐसा इलाका है जहां बेहद ठंड होती है।

भारतीय ब्लाइंड महिला क्रिकेट टीम के कप्तान, उप-कप्तान का ऐलान

मुंबई , क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया (सीएबीआई) ने भारत में शुरू होने वाली अपनी पहली महिला द्विपक्षीय श्रृंखला से पहले टीम के कप्तान और उप-कप्तान की घोषणा की।

नेपाल के खिलाफ द्विपक्षीय सीरीज खेली जानी है। भारत 11 दिसंबर, 2023 से 15 दिसंबर, 2023 तक मुंबई में 5 टी20 मैच खेलेगा। बर्मिंघम में इंटरनेशनल ब्लाइंड स्पोर्ट्स फेडरेशन (आईबीएसए) वर्ल्ड गेम्स 2023 के फाइनल में टीम इंडिया को स्वर्ण पदक दिलाने वाली वर्षा नेपाल के खिलाफ टी20 में कप्तानी करेंगी। जबकि, फूला सारेन को मुंबई में महिला द्विपक्षीय श्रृंखला के लिए डिप्टी के रूप में जारी रखा जाएगा।

नेपाल टी20 से पहले घोषणा पर बोलते हुए, क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया के अध्यक्ष बुसे गौड़ा ने कहा, यह भारत में पहली बार महिला अंतर्राष्ट्रीय द्विपक्षीय है। सपनों का शहर इन मैचों को आयोजित करने के लिए सबसे अच्छी जगह है। यह सपना देखते हुए कि हमारी महिला क्रिकेटरों को भारी समर्थन मिलेगा और वे नेत्रहीन क्रिकेट की मशाल वाहक बन जाएंगी। हम नेपाल की टीम का स्वागत करते हैं और सर्वश्रेष्ठ टीम की जीत की कामना करते हैं।

नेपाल टी-20 के लिए कप्तान नियुक्त किए जाने के बाद वर्षा ने कहा, एक बार फिर मुझे टीम का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी दी गई है।

पुरुषों के राष्ट्रीय हॉकी कोचिंग शिविर के लिए 39 सदस्यीय कोर ग्रुप घोषित

बेंगलुरु , हॉकी इंडिया ने भारतीय खेल प्राधिकरण, बेंगलुरु में 29 नवंबर से शुरू होने वाले पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए 39 सदस्यीय कोर ग्रुप की घोषणा की।

एशियाई खेलों के चैंपियन स्पेन में अपने आगामी असाइनमेंट के लिए तैयारी करेंगे जहां वे वालेंसिया में 15 दिसंबर 2023 से शुरू होने वाले 5 देशों के टूर्नामेंट में जर्मनी, फ्रांस, बेल्जियम और मेजबान स्पेन से भिड़ेंगे।

राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के मुख्य समूह में गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक, पीआर श्रीजेश, सूरज करकेरा, पवन मलिक और प्रशांत कुमार चौहान शामिल हैं। हरमनप्रीत सिंह, जरमनप्रीत सिंह, सुरेंदर कुमार, वरुण कुमार, अमित रोहिदास, गुरिंदर सिंह, जुगराज सिंह, मनदीप मोर, नीलम संजीप ज़ेस, संजय, यशदीप सिवाच, दिपसन टिर्की और मंजीत को डिफेंडर के रूप में नामित किया गया है।

शिविर में बुलाए गए मिडफील्डरों में मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह, शमशेर सिंह, नीलकंठ शर्मा, राजकुमार पाल, सुमित, आकाशदीप सिंह, गुरजंत सिंह, मोहम्मद राहील मौसीन और मनिंदर सिंह शामिल हैं। फॉरवर्ड की सूची में एस. कार्थी, मंदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, अभिषेक, दिलप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, सिमरनजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा और पवन राजभर शामिल हैं।

आगामी शिविर के बारे में बात करते हुए, भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फल्टन ने कहा, हांगझाऊएशियाई खेलों में सफल प्रदर्शन के बाद यह राष्ट्रीय शिविर से एक लंबा ब्रेक था। टीम के अधिकांश खिलाड़ियों ने चेन्नई में राष्ट्रीय चैम्पियनशिप खेली और मुझे भी कुछ युवा और उभरते खिलाड़ियों को करीब से देखने का मौका मिला। अब हम पेरिस ओलंपिक के लिए अपनी तैयारियों के नए दृष्टिकोण के साथ एसएआई, बेंगलुरु में एकत्रित होंगे।

फल्टन ने कहा, जैसा कि मैंने कहा है, यह एक प्रक्रिया है और हम अपने एशियाई खेलों के अभियान पर दोबारा गौर करेंगे और समझेंगे कि हम एक टीम के रूप में कैसे बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं और उस दिशा में काम कर सकते हैं।

इस बीच, भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, पिछले कुछ सप्ताह बहुत अच्छे थे, क्योंकि हमें परिवार के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने का मौका मिला और चेन्नई में राष्ट्रीय चैंपियनशिप में अपने गृह राज्य के लिए खेलते हुए शानदार आउटिंग भी हुई।

ला लीगा : गिरोना और एथलेटिक बिलबाओ के ड्रा के बाद रियल मैड्रिड शीर्ष पर कायम

मैड्रिड , गिरोना और एथलेटिक बिलबाओ के बीच सोमवार रात बेहद मनोरंजक मुकाबला 1-1 से ड्रा रहा, जिसका मतलब है कि गिरोना ने ला लीगा में शीर्ष स्थान रियल मैड्रिड को गंवा दिया है, जबकि एथलेटिक पांचवें स्थान पर वापस आ गया है।

विक्टर त्स्यगान्कोव ने 55वें मिनट में गिरोना को आगे कर दिया, जब उन्होंने अपनी ओर से एक बेहतरीन मूव के बाद गोल किया, लेकिन 12 मिनट बाद इनाकी विलियम्स ने बराबरी का गोल दाग दिया।

हालांकि खेल आधे समय तक गोलरहित पहुंच गया था, लेकिन ऐसा किसी भी छोर पर मौके की कमी के कारण नहीं हुआ, क्योंकि दोनों पक्षों ने आक्रामक फुटबॉल का प्रदर्शन किया।

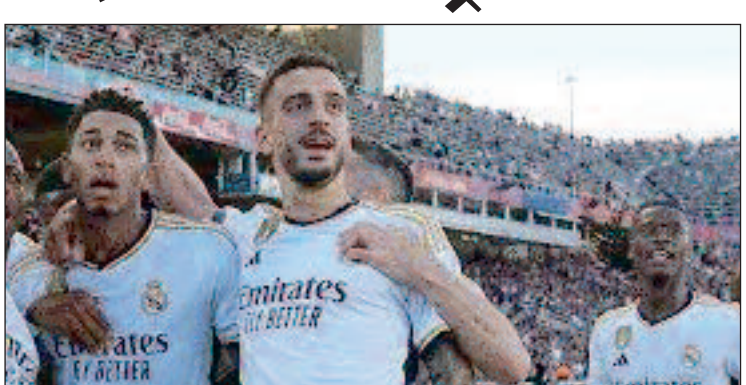

गिरोना क्षेत्र में मिकेल वेस्गा के क्रॉस से जगह पाने के पांच मिनट बाद ही गोर्का गुरुजेटा को एथलेटिक को आगे कर देना चाहिए था, लेकिन उन्होंने अपने दाहिने पैर के बाहरी हिस्से से शूट करने का विकल्प चुना जब यह उनके बाएं से आसान लग रहा था, और पाउलो गज़ानिगा ने बचा लिया।

इसके बाद एथलेटिक के लिए ऑस्कर डी मार्कोस ने बाजी मारी, इससे पहले कि गज़ानिगा ने फिर से गुरुजेटा के शक्तिशाली प्रयास को नाकाम कर दिया।

पहले हाफ में एथलेटिक थोड़ी बेहतर टीम थी, लेकिन हाफ टाइम के 10 मिनट बाद गिरोना ने बढ़त ले ली, जब त्स्यगानकोव ने जवाबी हमले पर गोल कर दिया।ओइहान सेंसेट के पास के बाद गिरोना डिफेंस को विभाजित करने के बाद विलियम्स ने इसे 1-1 कर दिया, हालांकि विंगर को काम करना था और बाएं पैर के शॉट के साथ गज़ानिगा को हराने से पहले दो रक्षकों को रोक दिया।

गिरोना अंकों के मामले में रियल मैड्रिड के बराबर है लेकिन गोल अंतर के आधार पर दूसरे स्थान पर है, जबकि एथलेटिक उस प्रतिद्वंद्वी से एक अंक लेने के बाद संतुष्ट होगा जिसने इस सीजन में अपने पहले 13 मैचों में से 11 जीते थे।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
-सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382-222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com